संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 123 बुधवार 05 मार्च 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

रेलवे परीक्षा में पेपर लीक का भांडाफोड़

- रेलवे में पेपर लीक मामले में सीबीआई का बड़ा ऐक्शन...
- 16 लोको पायलट समेत 26 अफसर गिरफ्तार, कार्रवाई जारी...
- सीबीआई ने रेलवे में पेपर लीक मामले में 26 अधिकारियों को गिरफ्तार किया...
- डीडीयू डिवीजन में पेपर लीक की जानकारी मिलने पर छापेमारी की गई...
- गिरफ्तार आरोपियों में लोको पायलट और अन्य रेलवे कर्मचारी शामिल हैं...

नई दिल्ली,04 मार्च 2025(ए)। भारतीय रेलवे में अब पेपर लीक होने का मामला सामने आया है। पेपर लीक का यह मामला रेलवे की ईस्ट-सेंट्रल जोन की डीडीयू रेलवे डिवीजन का है। जहां 4 मार्च को चीफ लोको इंस्पेक्टर की पोस्ट के लिए इंटरनल डिपार्टमेंटल पेपर होना था। लेकिन पेपर होने से पहले ही यह लीक हो गया। इस मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक 16 लोको पायलट समेत रेलवे के 26 अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। रेलवे के कई अधिकारी सीबीआई के रेडार पर हैं। इस मामले में सीबीआई ने डीडीयू डिवीजन में आठ ठिकानों पर छापेमारी की है। जहां से 1 करोड़ 17 लाख रुपए बरामद करने समेत पेपर लीक से संबंधित अन्य चीजें बरामद की गई हैं। पेपर लीक होने के बाद मंगलवार को यह पेपर नहीं हो सका।

सीबीआई ने बताया कि इस बारे में उन्हें इनपुट मिला था कि पूर्व-मध्य रेलवे में चार मार्च को होने वाली विभागीय परीक्षा का पेपर लीक हो गया है। इनपुट मिला था कि पेपर लीक करने की एवज में लाखों रुपए का हेरफेर किया गया है। इसमें कोई और नहीं बल्कि रेलवे के ही अधिकारी और अन्य कुछ लोग शामिल हैं। जिन्होंने असली पेपर के तमाम सवालों को अन्य कागजों में अपने हाथ से लिखकर रेलवे के उन इच्छुक अधिकारियों को दिए। जो-जो चार मार्च को होने वाली रेलवे की चीफ लोको इंस्पेक्टर पोस्ट के लिए होने वाले एग्जाम को देने वाले थे। इससे पहले ही सीबीआई ने रेलवे के इस पेपर लीक रैकेट का भंडाफोड़ कर डाला।

1 करोड़ 17 लाख रुपये की रकम बरामद

छापेमारी में बरामद 1 करोड़ 17 लाख रुपये की रकम को सीबीआई ने बताया कि यह सब पेपर लीक होने की एवज में जुटाया गया पैसा था। सीबीआई ने बताया कि आरोप है कि इस मामले में पेपर तैयार करने वालों ने ही पेपर लीक किया। इसके बदले में रेलवे के अधिकारियों ने रेलवे के उन लोको पायलटों से पैसे लेकर उन्हें लीक पेपर बेचें। जो चीफ लोको इंस्पेक्टर बनने के लिए मंगलवार को होने वाले इस एग्जाम में बैठने वाले थे। लीक पेपर को पिछले साल नीट-यूजी पेपर लीक की तरह ही पहली रात अलग-अलग ठिकानों पर देकर उन्हें रटवाया जा रहा था। लेकिन सीबीआई को इसकी भनक लग गई और इसका भंडाफोड़ हो गया।

सीबीआई ने आरोपियों को ऐसे घर दबोचा

सीबीआई ने बताया कि मिले इनपुट के आधार पर सीबीआई की सबसे पहले तीन अलग-अलग टीमें बनाई गई। इन टीमों ने तीन-चार मार्च की रात को मुगलसराय में 3 स्थानों पर रेड डाली। इस दौरान सीबीआई टीमों को 17 उम्मीदवार ऐसे मिले। जिनके पास हाथ से लिखे प्रश्न पत्रों की फोटोकॉपी थीं। इन सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई ने बताया कि मामले की शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि इसके लिए पेपर को तैयार करने की जिम्मेदारी आरोपी वरिष्ठ डीईई (ऑप्स) और अन्य को दी गई थी। आरोप है कि उन्होंने अपने ही हाथों से असली पेपर से दूसरे कागज पर अंग्रेजी में प्रश्न लिख कर उसे लीक करते हुए कथित तौर पर इसे एक लोको पायलट को दिया। जिसने बदले में इसका हिंदी में अनुवाद किया और आगे एक ऑफिस सुपरिटेंडेंट यानी ओएस (ट्रेनिंग) को दे दिया। उक्त ओएस (ट्रेनिंग) ने कथित तौर पर इसे कुछ अन्य रेलवे कर्मचारियों के माध्यम से उम्मीदवारों को दिया।सीबीआई ने आरोपी वरिष्ठ डीईई (ऑप्स) और अन्य रेलवे कर्मचारियों को पैसे इकट्ठा करने और प्रश्न पत्र वितरित करने में शामिल होने के आरोपों में गिरफ्तार किया है। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में इस पेपर को देने वाले 17 लोको पायलट को गिरफ्तार किया है। सीबीआई का कहना है कि इन सभी के पास 3-4 मार्च की रात जब छापेमारी की गई थी। तब इनके पास पेपर लीक प्रश्न पत्रों की फोटो कॉपियां थी। जिन्हें असली पेपर से मिलाया गया तो साफ हो गया कि पेपर लीक हुआ था। इन्हें रंगे हाथों पकड़ा गया। इनसे पूछताछ करने पर अन्य रेलवे अधिकारियों को भी दबोचा गया। सीबीआई ने इस मामले में अभी तक 26 रेलवे अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। अभी और अधिकारी पकड़े जाने बाकी हैं।

रेलवे में पेपर लीक का क्या है मामला?

सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि लीक कराए गए पेपर को 3 और 4 मार्च की दरम्यानी रात को मुगलसराय में पूर्व-मध्य रेलवे के तहत पैसा देकर पेपर खरीदने वालों को रटवाने के लिए दिया गया था। सीबीआई ने इस गंभीर मसले पर एक वरिष्ठ डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर यानी डीईई (ऑप्स), रेलवे के आठ अन्य अधिकारियों, अज्ञात उम्मीदवारों और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जिसमें पूर्व-मध्य रेलवे ने 4 मार्च 2025 को मुख्य लोको निरीक्षकों के पदों के लिए एक विभागीय परीक्षा निर्धारित की थी।

महत्वपूर्ण खबर

मियां-तियां और पाकिस्तानी कहना अनुचित

लेकिन यह धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला अपराध नहीं:सुप्रीम कोर्ट

रांची/नई दिल्ली,04 मार्च 2025(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के बोकारो निवासी हरिनारायण सिंह की अपील पर सुनवाई के बाद फैसला दिया है कि किसी व्यक्ति को मियां-तियां और पाकिस्तानी कहकर पुकारना अनुचित हो सकता है, लेकिन यह भारतीय दंड संहिता की धारा 298 के तहत धार्मिक भावनाएं आहत करने वाला अपराध नहीं माना जा सकता। जस्टिस बी. वी. नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने इस फैसले के साथ हरिनारायण सिंह के खिलाफ दर्ज मामले को निरस्त कर दिया।

गूगल मैप्स के बताए रास्ते पर चलना पड़ा महंगा

नोएडा,04 मार्च 2025(ए)। ग्रेटर नोएडा में गूगल मैप्स पर अंधविश्वास करने की वजह से एक दर्दनाक हादसा हो गया। दिल्ली के रहने वाले भारत भाटी शादी समारोह में जा रहे थे और उन्होंने रास्ता ढूंढने के लिए गूगल मैप्स का सहारा लिया। लेकिन गूगल मैप्स के बताए रास्ते पर चलते हुए अचानक रास्ता खत्म हो गया और उनकी कार 30 फीट गहरे गंदे नाले में जा गिरी। इस हादसे में भारत भाटी की मौत हो गई।

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री धनंजय मुंडे ने पद से दिया इस्तीफा

करीबी पर लगे थे आरोप

मुंबई,04 मार्च 2025(ए)। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता धनंजय मुंडे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि मुंडे का इस्तीफा उनके निजी कार्यालय में पीए प्रशांत जोशी द्वारा सौंपा गया। फडणवीस ने कहा, मुंडे ने मुझे अपना इस्तीफा भेजा है, जिसे हमने राज्यपाल को अग्रेषित कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड को सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले में आरोपी बनाया गया है।

सेबी की पूर्व अध्यक्ष को राहत

एफआईआर दर्ज करने के आदेश पर रोक

मुंबई,04 मार्च 2025(ए)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सेबी की पूर्व अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के विशेष अदालत के आदेश पर रोक लगाई है। पूर्व सेबी प्रमुख बुच और पांच अन्य ने कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी के लिए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश को रद्द करने की मांग करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

अगर मरीज मर गया तो ऑपरेशन कैसे सफल हुआ?

सुप्रीम कोर्ट का तेलंगाना सरकार से सवाल

हैदराबाद,04 मार्च 2025(ए)। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति के विधायकों की अयोग्यता से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आज (4 मार्च) सुनवाई की। इस दौरान अदालत ने तेलंगाना सरकार को नोटिस जारी किया और विधानसभा अध्यक्ष द्वारा मामले में देरी पर सवाल उठाए। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि विधानसभा अध्यक्ष अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला देने में जानबूझकर देरी कर रहे हैं। इस पर न्यायमूर्ति बीआर गवई ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा,क्या हर बार ऐसा हो सकता है कि ऑपरेशन सफल हो जाए लेकिन मरीज की मौत हो जाए?

अगली सुनवाई 25 मार्च को

सर्वोच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने राज्य सरकार, विधानसभा अध्यक्ष, तेलंगाना विधानसभा सचिव, भारत के चुनाव आयोग और दलबदलू विधायकों से इस मामले में 25 मार्च तक जवाब मांगा है।

मोदी ने किया पशु संरक्षण केंद्र वनतारा का उद्घाटन

अपने हाथों से बाघ,शेर व गैंडा केशावकों को दूध पिलाया...

जामनगर,04 मार्च 2025(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस के मौके पर गुजरात के जामनगर में स्थित पशु संरक्षण केंद्र 'वनतारा' का उद्घाटन किया। वनतारा वन्य जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समर्पित केंद्र है। प्रधानमंत्री ने 3 हजार एकड़ में फैले वनतारा में काफी वक्त बिताया, और वहां जानवरों के लिए बनाई गई विश्वस्तरीय सुविधाओं का जायजा लिया। प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की पहल पर वनतारा को बनाया गया है। वनतारा पहुंचने पर अंबानी परिवार ने पारंपरिक तरीके से प्रधानमंत्री का स्वागत किया। शंख ध्वनियों व मंत्रोच्चार और लोककलाकारों के गायन-वादन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वनतारा का उद्घाटन किया। नरेंद्र मोदी ने परिसर में बने मंदिर में हुई पूजा अर्चना में भी भाग लिया।

विधानसभा में पान मसाला थूकने पर अध्यक्ष ने जताई नाराजगी

लखनऊ,04 मार्च 2025(ए)। उत्तर प्रदेश विधानसभा की गरिमा और स्वच्छता बनाए रखने के संकल्प को दोहराते हुए विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने एक अनुशासनहीन घटना पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। मंगलवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पूर्व विधानसभा मंडप के प्रवेश द्वार पर पान मसाला थूके जाने की सूचना मिलते ही उन्होंने तत्काल वहां जाकर सफाई सुनिश्चित करवाई और इस अव्यवस्थित व्यवहार की भर्त्सना की। इसके बाद सदन को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विधानसभा के प्रति केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि इस अनुशासनहीन कृत्य का वीडियो उपलब्ध है, परंतु किसी सदस्य को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना उनका उद्देश्य नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि यदि भविष्य में वे किसी को ऐसा करते देखें, तो उसे वहीं रोकें और विधानसभा की गरिमा बनाए रखने में सहयोग करें।

राम लला दर्शन के लिए अब सुबह 6 बजे खुलेंगे कपाट

दर्शन का समय बढ़ा नया टाइम टेबल जारी

अयोध्या,04मार्च 2025(ए)। श्री राम जन्मभूमि मंदिर में भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दर्शन का समय बढ़ा दिया गया है। अब मंदिर के द्वार सुबह 7 बजे की बजाय एक घंटे पहले, यानी सुबह 6 बजे से खुल जाएंगे। यह नई व्यवस्था सोमवार से प्रभावी हो गई है।

राम मंदिर ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी ने सोमवार को इसकी जानकारी साझा की। उनके अनुसार, दर्शन के लिए संशोधित समय-सारणी में आरती के समय में भी बदलाव किया गया है। नई व्यवस्था के तहत भक्त सुबह 6:30 बजे श्रृंगार आरती के बाद 11:50 बजे तक मंदिर में दर्शन कर सकेंगे। इसके बाद दोपहर 12 बजे राजभोग आरती के लिए मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। दोपहर 1 बजे से मंदिर दोबारा खुलेगा और भक्त शाम 6:50 बजे तक दर्शन कर सकेंगे।

इसके बाद शाम 7 बजे संध्या आरती का आयोजन होगा। ट्रस्ट ने बताया कि रात 9:45 बजे तक भक्तों को दर्शन की अनुमति रहेगी, जिसके बाद रात 10 बजे शयन आरती के साथ मंदिर अगले दिन की सुबह तक बंद हो जाएगा। यह बदलाव भक्तों की बढ़ती संख्या और उनकी सुविधा को देखते हुए किया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग भगवान राम के दर्शन कर सकें।

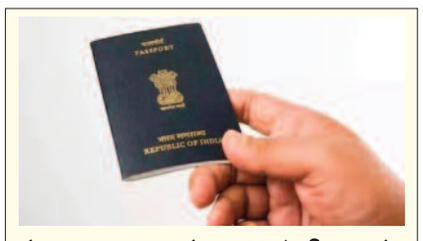

केंद्र सरकार ने पासपोर्ट बनाने के नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली,04 मार्च 2025(ए)। पासपोर्ट को एक महत्वपूर्ण दस्तावेज के तौर पर माना जाता है। पासपोर्ट के होने से किसी भी शख्स की आसानी से पहचान हो जाती है, इसके साथ ही उसकी नागरिकता भी साबित होती है। इस बीच भारत सरकार ने पासपोर्ट को लेकर नियमों में बदलाव किया है। केंद्र सरकार ने पासपोर्ट बनवाने के नियमों में बदलाव किया है। नए नियम के तहत अब पासपोर्ट बनवाने के लिए बर्थ सर्टिफिकेट प्रस्तुत करना जरूरी होगी। केवल जन्म प्रमाण पत्र ही जन्मतिथि के लिए वैध प्रमाण होगा। हालांकि, ये नियम सभी लोगों पर लागू नहीं होगा। ये नए नियम केवल उन लोगों पर ही लागू होंगे जो 01 अक्टूबर 2023 या उसके बाद पैदा हुए हैं।

दो टुकड़ों में बंटी नंदन-कानन एक्सप्रेस

इंजन सहित छह कोच 200 मीटर आगे पहुंचे, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

चंदौली,04 मार्च 2025(ए)। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में स्थित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन (डीडीयू जंक्शन) पर एक बड़ा हादसा होने से टल गया। सोमवार रात लगभग 9:30 बजे आनंद विहार से ओडिशा के पुरी जा रही 12876 नंदन - कानन एक्सप्रेस ट्रेन के स्लीपर कोच एस4 बोगी की कपलिंग टूट गई, जिससे ट्रेन के कोच अलग-अलग हो गए। इंजन सहित छह कोच 200 मीटर आगे पहुंच गए और बाकी पीछे ही रह गए। इसके बाद यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। वे घबराए हुए थे और समझ नहीं पा रहे थे कि क्या हो रहा है। ट्रेन के अंदर यात्री असमंजस की स्थिति में थे, लेकिन सौभाग्य से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं पहुंची।

संपादकीय

एकता का महायज्ञ का हुआ समापन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में सपन्न हुए महाकुंभ को युग परिवर्तन की आहट बताया और विकसित भारत का संदेश बताया। उन्होंने महाकुंभ समागम की तुलना गुलामी की मानसिकता की बेड़ियों को तोड़कर आजादी से सांस ले रहे राष्ट्र की नवजागृत चेतना से की। समापन के एक दिन बाद मोदी ने ब्लाग में लिखा, महाकुंभ संपन्न हो गया। एकता का महायज्ञ संपन्न हो गया। भारत अब नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। यह युग परिवर्तन का संकेत है। जो भारत के लिए नया भविष्य लिखेगा। उप्र सरकार के अनुसार 13 जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ में 65 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। उधर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर निशाना लगाते हुए कहा, दुनिया में कहीं भी इतना विशाल समागम नहीं हुआ। स्वच्छता व स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा लूटपाट,अपहरण, छेड़छाड़ व दुष्कर्म की ऐसी कोई घटना नहीं हुई, जो विरोधियों को दूरबीन या माइक्रोस्कोप से देखने को मिलती। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार के अनुमान से कहीं अधिक संख्या में लोग प्रयागराज पहुंचे। जितना जन सैलाब था, उसके अनुपात में असुविधाओं या समस्याओं का खड़ा न होना, अपने आपमें बड़ा आश्चर्य है। हालांकि भगदड़ की मौतों के आंकड़े छिपाने और अपनों की तलाश में भटकने वालों की जानते-बूझते अनदेखी की गई। सीमित साधनों के चलते स्थानीय नागरिकों को रोजाना की चीजों व नियमित कार्य/पढ़ाई व नौकरीपेशा लोगों को हुई दिक्कतों की किसी ने फिक्र ही नहीं की। हालांकि इस विशाल आयोजन में उत्साहपूर्वक शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने कई-कई किलोमीटर पैदल चलने, ट्रैफिक जाम में फंसे रहने और पीने के पानी व भोजन को लेकर हुई अव्यवस्था पर भरपूर सहयोगात्मक भाव बनाये रखा। मोदी ने उसे समझा और उस पर माफी मांग कर अपना बड़प्पन भी दिखाया, जबकि योगी की बातों से ऐसा नजर नहीं आता, परंतु सफाईकर्मियों को प्रात्साहन राशि देने व उनकी तारीफ करके उन्होंने परंपरा से हटकर अपना अंदाज दिखाया। आस्था, विश्वास व उत्साह भरे इस आयोजन के लिए सभी की सराहना की जानी चाहिए।

कम नहीं है त्रिभाषा नीति के पालन में आने वाली चुनौतियाँ

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

भारत में भाषा शिक्षा को लेकर चर्चा अभी भी जारी है। तमिलनाडु में तीन-भाषा नीति के प्रति कड़ा विरोध भाषाई पहचान और केंद्र सरकार की नीतियों के बारे में महत्त्वपूर्ण चिंताओं को उजागर करता है। वास्तविक शैक्षिक सुधार के लिए भाषा शिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाना आवश्यक है, न कि केवल नीतिगत ढाँचों पर ध्यान केंद्रित करना। केंद्र और राज्य के बीच सकारात्मक बातचीत और व्यावहारिक समझौता ही आगे का सबसे अच्छा रास्ता है। आपातकाल के दौरान शिक्षा को समवर्ती सूची में डाल दिया गया, जिसका अर्थ है कि यह एक संयुक्त जिम्मेदारी है। तीसरी भाषा से सम्बंधित विवादों के कारण समग्र शिक्षा, जो एक आवश्यक शिक्षा पहल है, के वित्तपोषण में बाधा नहीं आनी चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 बहुभाषी शिक्षा को बढ़ाने और भाषाई विविधता की सुरक्षा के उद्देश्य से त्रि-भाषा ढांचा प्रस्तुत करती है। आठवीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त 22 आधिकारिक भाषाओं और बोलियों की समृद्ध विविधता के साथ, क्षेत्रीय आवश्यकताओं और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन हासिल करना काफ़ी चुनौतीपूर्ण है। गैर-हिंदी भाषी राज्यों की चिंताएँ कथित भाषाई प्रभुत्व से सम्बंधित मुद्दों और इस नीति को कार्यान्वित करने में व्यावहारिक कठिनाइयों पर ज़ोर देती हैं। त्रि-भाषा नीति का लक्ष्य बहुभाषिकता को प्रोत्साहित करना है, जिससे राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा और भारत का भाषाई परिदृश्य समृद्ध होगा। उदाहरण के लिए, उत्तर भारतीय स्कूलों में तमिल पढ़ाने से सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा मिल सकता है और क्षेत्रीय अंतर को पाटने में मदद मिल सकती है। बहुभाषिकता को अपनाने से न केवल संज्ञानात्मक क्षमताएँ, समस्या समाधान कौशल और रचनात्मकता बढ़ती है, बल्कि समग्र शैक्षणिक सफलता भी बढ़ती है।

अनेक भाषाओं, विशेषकर क्षेत्रीय भाषाओं में दक्षता से सरकारी नौकरियों, अनुवाद और पर्यटन में विभिन्न कैरियर के रास्ते खुलते हैं। इसके अलावा, कूटनीति और बहुराष्ट्रीय निगमों में पदों के लिए बहुभाषी कौशल अक्सर आवश्यक होते हैं। नीति में यह अनिवार्य किया गया है कि सीखी जाने वाली कम से कम दो भाषाएँ भारत की मूल भाषाएँ हों, जिससे देश की भाषाई विरासत और साहित्य का संरक्षण हो सके। भारत की शास्त्रीय और क्षेत्रीय भाषाई परंपराओं को बनाए रखने के लिए संस्कृत, बंगाली, तेलुगु और

मराठी जैसी भाषाओं का प्रचार-प्रसार अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। हालाँकि, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य इस नीति को हिन्दी को धीरे-धीरे थोपने की नीति के रूप में देखते हैं। चूंकि शिक्षा एक समवर्ती विषय है, इसलिए केंद्रीकृत भाषा सीखने की नीति लागू करना संघीय सिद्धांतों के लिए चुनौतियाँ उत्पन्न करता है। तमिलनाडु सरकार ने एनईपी 2020 की तीन-भाषा आवश्यकता का पालन नहीं करने का विकल्प चुना है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य के लिए समग्र शिक्षा अभियान के तहत वित्त पोषण में देरी हो रही है।

इसके अतिरिक्त, कई राज्यों को इन अतिरिक्त भाषाओं के लिए योग्य शिक्षकों की कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे सरकारी स्कूलों में कार्यान्वयन जटिल हो रहा है। उदाहरण के लिए, ओडिशा और केरल के स्कूलों को सीमित उपलब्धता के कारण हिन्दी शिक्षकों को ढूँढने में संघर्ष करना पड़ रहा है। अतिरिक्त भाषा पाठ्यक्रम शुरू करने से भी छात्रों पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे गणित जैसे आवश्यक विषयों में उनकी दक्षता प्रभावित हो सकती है। क्षेत्रीय दलों का प्रतिरोध भाषा नीतियों को अपनाने में महत्त्वपूर्ण चुनौतियाँ उत्पन्न करता है। गैर-हिंदी भाषी राज्यों में राजनीतिक समूह अक्सर इन नीतियों को अपने स्थानीय शासन में घुसपैठ के रूप में देखते हैं, जिसके परिणामस्वरूप विरोध होता है। कई ग्रामीण छात्रों को दूसरी भाषा सीखने में कठिनाई होती है, जिससे तीसरी भाषा सीखने की प्रक्रिया जटिल हो जाती है। उदाहरण के लिए, ग्रामीण बिहार में 40त्न छात्रों को अंग्रेज़ी भाषा सीखने में कठिनाई होती है, जिससे उनकी अन्य भाषाएँ सीखने की क्षमता में बाधा आती है।

राज्य हिन्दी की अपेक्षा अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को प्राथमिकता देते हैं, जिससे केंद्रीय नीतियों के साथ उनका सम्बंध टूट जाता है। पश्चिम बंगाल में बंगाली-अंग्रेजी शिक्षा पर अधिक ज़ोर दिया जाता है तथा अनिवार्य हिन्दी शिक्षा को अस्वीकार कर दिया जाता है। सरकारी स्कूलों में, विशेषकर आर्थिक रूप से वंचित राज्यों में, अक्सर भाषा शिक्षकों, संसाधनों और डिजिटल भाषा प्रयोगशालाओं के लिए आवश्यक धन की कमी होती है। पूर्वोत्तर भारत में तीसरी भाषा पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की कमी से प्रभावी नीति कार्यान्वयन में बाधा आती है। राज्यों के लिए एक मानकीकृत त्रि-भाषा नीति का पालन करने की बजाय अपनी क्षेत्रीय भाषा चुनने की स्वतंत्रता होना अधिक लाभदायक होगा। उदाहरण के लिए, कर्नाटक सरकार हिन्दी लागू करने के बजाय कन्नड़, अंग्रेज़ी और विद्यार्थी की पसंद की भाषा पढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ावा देना, ई-लर्निंग संसाधनों का विकास करना, तथा भाषा अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना स्थिति में काफ़ी सुधार ला सकता है।

आंध्र प्रदेश में डिजिटल भाषा प्रयोगशालाएँ पहले से ही प्रौद्योगिकी के माध्यम से स्थानीय भाषा शिक्षा को बढ़ावा देने में प्रगति कर रही हैं। छात्रवृत्ति, कैरियर प्रोत्साहन और व्यावहारिक भाषा प्रशिक्षण की पेशकश से छात्रों को स्वेच्छा से अतिरिक्त भाषाएँ सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। यूजीसी संस्कृत, पाली और फारसी में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करता है, जिससे भाषाई विविधता को बनाए रखने में मदद मिलती है। केंद्र सरकार को भाषा नीति पर चर्चा में राज्यों को शामिल करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करती है। संयुक्त शिक्षा समिति की स्थापना से राज्यों को कार्यान्वयन प्रक्रिया में अधिक आवाज़ मिल सकेगी। मूल समस्या, शिक्षा में भाषा मानक और शिक्षण गुणवत्ता में गिरावट। कोचिंग सेंटरों ने विज्ञान और गणित में बढ़त ले ली है, तथा भाषा शिक्षा को पीछे छोड़ दिया है। यद्यपि कई सरकारी स्कूलों में अंग्रेज़ी एक अनिवार्य विषय बन गया है, फिर भी प्रवीणता का स्तर निराशाजनक रूप से निम्न बना हुआ है।

शिक्षकों का सीमित अंग्रेज़ी कौशल सीधे तौर पर छात्रों की पढ़ाई पर प्रभाव डालता है, जैसा कि आंध्र प्रदेश में अंग्रेज़ी माध्यम की शिक्षा की ओर बदलाव से स्पष्ट है। हिन्दी के लिए भी स्थिति बहुत बेहतर नहीं है; इस भाषा में शिक्षण स्तर का भी उतना ही अभाव है। हिन्दी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को अक्सर सक्रिय शिक्षण के लिए आवश्यक उपकरण के बजाय मात्र सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसके अतिरिक्त, पढ़ने की आदतों में गिरावट भाषा शिक्षा के क्षेत्र में अधिक महत्त्वपूर्ण चुनौतियों की ओर इशारा करती है। स्कूलों में पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जा रहा है, जिससे अंततः दीर्घकालिक भाषा कौशल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। भारत की विविधता में एकता बनाए रखने के लिए एक समेकित भाषाई ढांचा तैयार करना आवश्यक है। भाषा के चयन में लचीलापन प्रदान करना, शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ाना, तथा क्षेत्रीय भाषा शिक्षा को बढ़ावा देना कार्यान्वयन सम्बंधी बाधाओं को दूर करने में सहायक हो सकता है।

अनुवाद और डिजिटल शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग भाषाई विभाजन को प्रभावी ढंग से पाट सकता है। केंद्र और राज्य के बीच सकारात्मक बातचीत और व्यावहारिक समझौता ही आगे का सबसे अच्छा रास्ता है। आपातकाल के दौरान शिक्षा को समवर्ती सूची में डाल दिया गया, जिसका अर्थ है कि यह एक संयुक्त जिम्मेदारी है। तीसरी भाषा से सम्बंधित विवादों के कारण समग्र शिक्षा, जो एक आवश्यक शिक्षा पहल है, के वित्तपोषण में बाधा नहीं आनी चाहिए।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

हरियाणा में बोर्ड परीक्षा में नकल पर नायाब सख्ती

सुशील कुमार 'नवीन',
हिसार, हरियाणा

» चार डीएसपी समेत 25 अफसर सस्पेंड, 17 अन्य फंसे

» सस्पेंशन वालों में 4 डीएसपी,3 एसएचओ, 8 छात्रों पर भी एफआईआर

हरियाणा में इन दिनों 10 वीं और 12 वीं की बोर्ड परीक्षाएं जारी हैं। परीक्षा के पहले ही दिन से नकल रूपी दानव ने अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया है। सहयोगी बनने वालों की कोई कमी नहीं। जिसे देखो वहीं चार किताब काख़ में डाल परीक्षा केंद्रों के बाहर मंडरा रहे हैं। बोर्ड एग्जाम के पहले ही दिन से प्रश्न पत्र बाहर पहुंच रहे हैं। दसवीं बोर्ड की गणित विषय की परीक्षा ने इस बार ऐसी किरकरी कराई है कि खुद मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी को मोर्चा संभालना पड़ा है। कार्रवाई भी ऐसी हुई है कि दूसरे राज्यों के लिए भी यह उदाहरण बनेगी। बड़े-बड़े अधिकारियों को लपेट दिया गया है। डीसी-एसपी सब दौड़े फिर रहे हैं।

हुआ यूं कि परीक्षा शुरू होने के थोड़ी ही देर बाद तीन जगह परीक्षा केंद्र से पेपर बाहर आ गया। जगह-जगह पेपर हल कर परीक्षा केंद्र में खिड़की और छतों से परीक्षार्थियों तक पर्चियां पहुंचाती देखी गई। यहां तक कई जगह पुलिस और अध्यापकों की मौजूदगी में भी पर्चियां को भिजवाना देखा गया। मीडिया में मामला उछला तो सरकार और प्रशासन की खूब किरकरी हुई। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुख्यमंत्री को इस मामले में तुरंत प्रभाव से लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश जारी करने पड़े। इस मामले में अब तक 4 पुलिस उप अधीक्षक, 3 थाना प्रभारी समेत 25 पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया है। इसके अलावा चार राजकीय और एक निजी स्कूल के परीक्षा निरीक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है। यहीं नहीं चार परीक्षा निरीक्षकों और इन केंद्रों के समस्त परीक्षा स्टाफ को भी निलंबित कर दिया गया। इसके अलावा 8 परीक्षार्थियों और 4 अन्य के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के डीसी और एसपी को भी यह सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं कि धारा-163 की पालना सुनिश्चित हो। परीक्षा केंद्र के 500 मीटर के दायरे में कोई व्यक्ति अनाधिकृत प्रवेश करता पाया गया तो पुलिस की जिम्मेदारी होगी। साथ ही पेपर आउट व नकल की शिकायत आती है तो जिला प्रशासन जिम्मेदार होगा। एसपी को निर्देश दिए हैं कि बोर्ड परीक्षा के दिन परीक्षा केंद्र की सुरक्षा चाकचौबंद होनी चाहिए। सीएम के निर्देश मिलते ही पुलिस और प्रशासन पूर्ण रूप से सक्रिय हो गया है। सोमवार की परीक्षा में आला अधिकारी खुद मोर्चा संभालते दिखे। प्रदेश सरकार ने अब यह भी फैसला लिया है कि परीक्षाओं में जहां इस बार बाहरी हस्तक्षेप है या नकल के मामले सामने आएंगे, वहां भविष्य में परीक्षा केंद्र ही नहीं बनाया जाएगा। शिक्षा निदेशालय ने भी पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि जिस दिन बोर्ड की परीक्षा हो, उस दिन नॉन वर्किंग-डे घोषित किया जाए। जिन कर्मचारियों की डयूटी परीक्षा में लगी है, वहीं आयेंगे। शिक्षा बोर्ड ने 588 केंद्रों पर पूर्ण समय के लिए ऑब्जर्वरों की नियुक्ति की गई है। बोर्ड सचिव के अनुसार प्रश्न-पत्रों पर अल्फा न्यूमेरिक कोड, क्यूआर कोड और हिडन सिक्योरिटी फीचर हैं। अगर कोई प्रश्न पत्र की फोटो खींचेगा तो तुरंत पता लग जाएगा कि प्रश्न पत्र कहां से आउट हुआ है और किस परीक्षार्थी का है। इस पर केंद्र के अधीक्षक, पर्यवेक्षक व अन्य स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। चलिए अब बात को थोड़ा आगे बढ़ाते है कि इस तरह की सख्ती की जरूरत क्यों पड़ी? नकल सामाजिक बुराई है। नकल करना पाप है। नकल से बचे, यह धीमा जहर है। नकल भविष्य से भटकाने वाली है। नकल करना और करवाना युवा वर्ग को लक्ष्य और दिशाहीन करना है। नकल के परिणाम दूरगामी होते हैं। जब भी परीक्षाओं का दौर शुरू होता है तो इस तरह के स्लोगन और विचार आम देखने को मिलते हैं । प्रत्येक परीक्षा केंद्र के बाहर बड़े-बड़े इश्तिहार लगाए जाते हैं, जिन पर मोटे-मोटे अक्षरों में लिखा होता है- %परीक्षा में नकल करना पाप है/ सामाजिक बुराई है। फिर भी परीक्षाओं में नकल रूक ही नहीं पा रही। वर्ष 2015 में बिहार में भी नकल की तस्वीरें देशभर में वायरल हुई थी। परीक्षा के दौरान तीन मंजिले स्कूल की खिड़कियों और दीवारों से चिपक कर विद्यार्थियों के सहयोगियों और अभिभावकों ने बच्चों को नकल की पर्चियां पहुंचाने की तस्वीरें मीडिया में खूब चली थी। अगले ही दिन नकल कर रहे छात्रों को मदद करने के आरोप में होमगार्ड के 8 जवानों को गिरफ्तार किया गया। 500 से ज्यादा परीक्षार्थियों को निष्काषित भी कर दिया गया था। इसके बाद संभवतः हरियाणा में नकल के मामले में यह बड़ी कार्रवाई हुई है। ऐसा फिर न हो इसके लिए सिर्फ सरकार और प्रशासन से काम नहीं चलने वाला। इसके लिए सबसे पहले अभिभावकों और वहां के स्थानीय निवासियों का सहयोग जरूरी है। वे सहयोग करेंगे तो क्या मजाल कोई परीक्षा केंद्र में पहुंच जाए। इससे पहले भी काफी पंचायतों द्वारा ऐसा प्रयास किया गया है। पुलिस कर्मियों की कमी भी इस घटना का बड़ा कारण है। परीक्षा केंद्र में बाहरी तत्व पांच सौ और पुलिस कर्मी दो तो किस तरह नकल रुकेगी। मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद भी तो परीक्षा केंद्रों पर सख्ती हुई है। यही पहले होती तो किरकरी तो न होती। चाणक्य नीति में आचार्य चाणक्य का एक प्रसिद्ध श्लोक है–

नात्यन्तं सरलैर्भाव्यं गत्वा
पश्य वनस्थलीम्।
छिद्यन्ते सरलास्तत्र
कुब्जास्तिष्ठन्ति पादपाः॥

आचार्य चाणक्य कहते हैं कि व्यक्ति का ज्यादा सीधापन भी कई बार गले की फांस बन सकता है। उदाहरण देते हुए वे कहते हैं कि वन में सीधे पेड़ पहले काटे जाते हैं। क्योंकि इन्हें काटने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती।

कविता
होली की बहार

घटती-घटना

उदयकिशोर साह
जयपुर,बांका , बिहार

ये हुड़दंगों की बस्ती है
छाई होली की मस्ती है
आओ रंग गुलाल उड़ायें
ईर्ष्या द्वेष को जड़ से मिटायें
फागुन की आई है आज बहार
फिजां में घुल गई भंग की खुमार
धमाल मचायें फाग ढोल पे गायें
ईर्ष्या द्वेष को जड़ से मिटायें
दुश्मन को भी बना लो यार
फेक दो दरिया में अरि की तलवार
भाई भाई से मिलकर गले लगायें
ईर्ष्या द्वेष को जड़ से मिटायें
वैमनस्यता की दीवार गिरा आयें
दुश्मन को भी अपने घर पे बुलायें
बाल गोपाल संग पकवान खायें
ईर्ष्या द्वेष को जड़ से मिटायें
मंगरा तुम आओ बुधना भी आओ
मिलकर फागुन में फगुंवा गाओं
विरासत की पुँजी की ना भुलायें
ईर्ष्या द्वेष को जड़ से मिटायें

आने वाले कल के लिए जल के लिए भी सोचें

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

जल की एक बूंद का संरक्षण मानवीय जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है। जल की एक-एक बूंद जीवन के लिए बेशकीमती और बहु उपयोगी है। जल की बर्बादी भविष्य के बहुत बड़े खतरे को इंगित करती है, यदि पृथ्वी पर जल नहीं होगा तो जीवन की संभावनाएं भी विलुप्त हो जाएंगीं। सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। पृथ्वी की सतह का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से आच्छादित है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97 प्रतिशत समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है । अतः मात्र 3 प्रतिशत जल ही पीने के योग्य है,इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूगर्भीय जल के रूप में मनुष्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है।

यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी-बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियाँ नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई है। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा में जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के मध्य बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है। इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, मांडवी जैसे अंतरराष्ट्रीय नदियों गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां हैं। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कब रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महा युद्ध की संभावनाओं को यदि टटोलने तो यह बात सत्य प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होगें तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण मानवता तार-तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप लें एवं जल जैसे हम उन संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाएं। यूनाइटेड नेशंस वाटर अभियान के माध्यम से जल संकट से विश्व को अवगत करवाते हुए जल संकट के संबंध में आमजन को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी तरफ प्रसिद्ध ऑर्गेनाइजेशन जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता से अधिक जल प्रयोग करने से धरती का जलस्तर कृषकों की पहुंच से परे होता जा रहा है। वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रेरित अंधाधुंध विकास की दौड़ में जल स्रोतों को प्रदूषित कर मानव समाज ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। बढ़ती जनसंख्या भी वैश्विक जल संकट का एक बड़ा कारण है। यदि जनसंख्या की वृद्धि की रफ्तार से होती रही तो अगले दशक में वैश्विक जनसंख्या में वृद्धि की दर से 25त्न जनसंख्या को प्रयोग जितना ही पानी उपलब्ध हो पाएगा। यह भयानक जल संकट तथा वैश्विक खतरे की ओर इंगित करता है।

घुमन्तु गीत सीरीज
संवेदना

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
काशी,उत्तर प्रदेश

नीकी पर फीकी लगे, बिन अवसर की बात!! मैं सदैव यही सुनकर बड़ी हुई हूँ, मेरी माँ सदा ये बात कहती रहती थीं। और वैसे सही भी है, कोई बात कितनी भी अच्छी क्यों न हो, कहाँ बोलना है और कब बोलना है, यह सोच कर ही बोलना चाहिए। मैं पिछले दिनों अपने ऑफिस के काम से नयी दिल्ली गयी हुई थी, वहां अचानक ही किसी करीबी मित्र के रिश्तेदार का देहावसान हो जाने पर उनके साथ मैं भी शोक व्यक्त करने चली गयी, अभी उनकी मिट्टी उठी नहीं थी, सारे लोग वहीं बैठे हुए नम आँखों से आपस में मानो मौन वार्तालाप कर रहे थे। मैं किंकर्तव्यविमूढ़ सी चुपचाप ये सब देख रही थी। उसी समय बाहर गेट पर कोई बड़ी ऊंची आवाज़ में बातें करता हुआ दाखिल हुआ,हालांकि बातें तो उन्हीं दिवंगत व्यक्ति के विषय में थीं,परन्तु लहजे में दूर दूर तक संवेदना लेशमात्र भी नहीं झलक रही थी, वे सज्जन इन (मृत व्यक्ति) के चचेरे भाई बताये गए, और वे काफी देर तक बाहर गेट पर ही बतियाते रहे, फिर अंदर दाखिल हुए, यहाँ आकर भी वही प्रपंच शुरू। मैं यह नहीं कह रही कि वे भाई साहब दुःखी न रहे होंगे, ज़रूर रहे होंगे,आखिर उनके भाई का देहांत हुआ था, परन्तु उनका दुःख अभिव्यक्त करने का तरीका ज़रा अलगअंदाज़ लगा मुझे! ख़ैर, तभी तो घुमन्तु गीत यानी कि मैं दुनिया घूम घूम कर कुछ ना कुछ नवल नवीन अनुभव एकत्रित करती रहती हूँ, उनकी तमाम बातों के बीच भी मैं मन ही मन राम-राम जपती रही, अंत में अपना बैकपैक उठाया, अपनी मित्र से मिलकर, उन सब से विदा ली और चल पड़ी अपने होटल की ओर, उसी शाम की मेरी फ्लाइट थी, और मुझे रूम चेकआउट भी करना था। वापस आते समय पूरे रास्ते भर मैं यही सोचती रही, नीकी पर फीकी लगे, बिन अवसर की बात!! मन में एक बड़े शून्य के साथ अब फ्लाइट बोर्ड कर ली है, अगला पड़ाव बम्बई यानी कि मुंबई है, तो मिलते हैं इस घुमन्तु गीत के बम्बइया अनुभवों के किसी चटपटे किस्से के साथ। हर हर महादेव मित्रों!

कविता
ये नजारे

घटती-घटना

अशोक पटेल
मेघा धमतरी
छत्तीसगढ़

ये नज़ारे क्यों बदला-बदला
सा अब नजर, आने लगा है
जहाँ पतझर था, सन्नाटा था
अब यहाँ बहार आने लगा है।
कभी ये फुल चमन कलियाँ
बेनूर, मायूस, नजर आते थे
ये मंजर वीराना,रेगिस्थान था
अब मधुबन सा,मुस्क़ाने लगा है।
कभी तो जुदाई का साया था
कभी तो ये मौसम बेईमान था
ये मौसम भी बेरहम लगता था
अब ये खुशगवार होने लगा है।
क्यो जहाँ, जहन्नुम लगता था
क्यों यहाँ तन्हाईयाँ लगती थी
वह बीते लम्हात क्यों डराते थे
अब लम्हें जन्नत लगने लगा है।
कभी नज़ारे उदास लगती थी
और फिजा बेरंगीन हो गई थी
अब मौसम लेने लगी अंगड़ाई
क़ायनात गुलजार होने लगा है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

तीन बार के पार्षद हरमिंदर सिंह 'टिन्नी' बने नगर निगम के सभापति

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

तीन बार के पार्षद हरमिंदर सिंह टिन्नी नगर निगम अंबिकापुर के सभापति पद पर निर्विरोध चुन लिए गए। मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर विलास भोसकर की अध्यक्षता में नगर पालिक निगम के अध्यक्ष एवं अपील समिति के निर्वाचन हेतु प्रथम सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें नगर निगम चुनाव पर्यवेक्षक शिवरतन शर्मा,महापौर मंजूषा भगत और पार्षदों के उपस्थिति में सभापति पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुआ। इस चुनाव में कांग्रेस ने अपना कोई उम्मीदवार नहीं उतरा और हरविंदर सिंह टिन्नी निर्विरोध नगर निगम अंबिकापुर के सभापति चुन लिए गए। इसके साथ ही अपील समिति के चार सदस्यों का भी निर्विरोध चुनाव हुआ, भाजपा ने सुषमा गुप्ता और विकास पांडेय के नाम का प्रस्ताव रखा तो वहीं कांग्रेस ने पपिंदर सिंह और गीता प्रजापति का नाम सुझाया,भाजपा और विपक्ष ने इन चारों के नाम पर सहमति जताई तथा चारों अपील समिति के निर्विरोध सदस्य चुने गए। सभापति चुने जाने के बाद हरमिंदर सिंह भाजपा नेताओं एवं समर्थकों के साथ पदयात्रा करते हुए भाजपा कार्यालय संकल्प भवन पहुंचे जहां पटाखे फोड़ कर एवं फूल मालाओं से उनकी स्वागत की गई। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष भरत सिंह सिसोदिया ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी के अनुशासन और कार्यशैली का ही परिणाम है की सभी पार्षदों एवं नेताओं की आपसी सहमति से सभापति पद पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव, पूर्व जिलाध्यक्ष एवं ओबीसी मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर, पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा, अभिमन्यु गुप्ता, अंबिकेश केशरी, विनोद हर्ष, राजकुमार बंसल, संजय नेता, आलोक दुबे, मुरारी बंसल, निश्चल प्रताप सिंह, निलेश सिंह, अनिल जायसवाल ,रूपेश दुबे, मनोज कंसारी दिलीप भसीन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मीसा बंदी स्व. बालकिशन सिंह के पुत्र हैं हरविन्दर सिंह बाबरा 'टिन्नी'

तीन बार के पार्षद रहे हरविन्दर सिंह टिन्नी सभापति चुने जाने के बाद उन्होंने कहा है कि मैं सबके विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। हरविंदर सिंह टिन्नी जनसंघ के नेता व मीसा बंदी स्व. बालकिशन सिंह के छोटे पुत्र हैं। विदित हो कि इनके पिता स्व. बालकिशन सिंह जनसंघ भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे, 1975 में जब देश आपातकाल का दंश झेल रहा था उस समय मीसा बंदी के रूप में 19 माह जेल में रहे। अंबिकापुर में जन्मे नव निर्वाचित सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी 2014 से लगातार तीन कार्यकाल से पार्षद निर्वाचित होते आ रहे हैं। शिक्षा में स्नातक होने के साथ-साथ लोकतंत्र सेनानी संघ में मीसा बंदियों के सेवा के लिए आज भी सदैव तत्पर रहते हैं।

अवैध कोयला तस्करी करते पत्रकार के भाई को पुलिस ने किया गिरफ्तार

एक टन कोयला लोड बोलेरो वाहन की गई जब्ती

- संवाददाता -
बलरामपुर,04 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम चौरा के कोतरीपारा से पुलिस ने लंबे अरसे से अवैध रूप से कोयले का परिवहन करते रहे एक पत्रकार के भाई को एक टन कोयला व बोलेरो वाहन के साथ गिरफ्तार किया।

थाना प्रभारी कुमार चंदन सिंह ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि 3 जनवरी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम कोतरीपारा चौरा की ओर से बोलेरो वाहन चालक के द्वारा अवैध रूप से कोयला परिवहन किया जा रहा है। सूचना उपरांत मौके पर पुलिस पहुंचकर ग्राम कोतरीपारा में रात्रिगश्त के दौरान पत्रकार के भाई श्याम गुप्ता पिता मंटू गुप्ता (32) निवासी करौटी थाना झिलमिली जिला सूरजपुर को बोलेरो वाहन सीजी 11 बीए 9139 में करीब 1 टन अवैध कोयला लोड कर परिवहन करते पकड़ा। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 379/35(2-5) बीएनएसएस के तहत कार्रवाई कर कोयला एवं परिवहन में प्रयुक्त बोलेरो वाहन को जब्त किया।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर,04 मार्च 2025 (घटती-घटना)। बलरामपुर जिले के राजपुर थाना अंतर्गत नाबालिक लड़की से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जांच में जुटी।थाना प्रभारी कुमार चन्दन सिंह ने बताया कि नाबालिक लड़की से दुष्कर्म के मामले में करीब एक माह पहले रिपोर्ट थाने में दर्ज की गई थी। पुलिस ने दुष्कर्म काने वाली आरोपी सत्यनारायण भूइंहर पिता रामधनी (25) निवासी राजपुर को गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध धारा पास्को एक्ट के तहत 303 (2) /35 (3-6) बीएनएसएस के तहत कार्रवाई किया।

भीषण सडक़ हादसे में कार चालक की मौत, ट्रक ने मारी थी टक्कर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम लालमाटी के पास मंगलवार की शाम को कार व ट्रक में सीधी भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था की कार के परखच्चे उड़ गए और चालक की कार में ही मौत हो गई और शव फंस गया। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

अंबिकापुर-रायगढ़ एनएच 43 स्थित ग्राम लालमाटी के पास मंगलवार की शाम ट्रक व कार में सीधी टक्कर हो गई। कार सवार व्यक्ति अंबिकापुर की ओर से रघुनाथपुर की ओर जा रहा था। जबकि ट्रक रघुनाथपुर की ओर से अंबिकापुर की ओर आ रहा था। कार चालक कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम लालमाटी के पास पहुंचा ही था कि सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ंत हो गई। दुर्घटना इतना भीषण था कि कार चालक वाहन में ही चिपक गया और उसकी मौत हो गई। वहीं कार के परखच्चे उड़ गए। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। पुलिस ने काफी मशक्कत कर कार में फंसे शव को बाहर निकलवाया और पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया। मृतक का शिनाख्त नहीं हो सका है। वहीं पुलिस ने दुर्घटनाकारी ट्रक को जब्त कर ली है।

बकरी चोरी करने घर में घुसे चोरों ने दंपति को बेदम पीटा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम डडगांव में 2 मार्च की रात बकरी चोरी करने आए चोरों ने दंपति की बेदम पिटाई कर दी। घटना के दौरान दंपति जग गए थे और चिल्लाने लगे। इस दौरान चोरों ने दोनों की बेदम पिटाई कर दी। मामले में लुण्ड्रा पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार सदासी केरकेट्टा ग्राम डडगांव का रहने वाला है। इसका गांव में ही दो जगह पर मकान है। पुराने घर में सदासी अपने परिवार के साथ रहता है। जबकि नए घर में इसके माता-पिता रहते हैं और 30 नग बकी पालकर रखे हैं। 2 मार्च की रात इसके माता पिता नए घर में सोए हुए थे। तभी रात करीब 1 बजे अज्ञात चोर घुसकर बकरी चोरी करने की कोशिश करने लगे। दभी दंपति की नींद खुल कई और कौन है कहते हुए हल्ला करने लगे। तभी चोरों ने उन्हें चुप रहने को बाला नहीं तो जान से मारने की धमकी देने लगे। इस दौरान चोरों ने घर में रखे बोतल व लाठी-डण्डा से दंपति की बेदम पिटाई करने लगे। इस दौरान महिला किसी तरह वहां से भागकर पड़ोसी चंद्रीका के घर गई और घटना की जानकारी दी। पड़ोसियों ने भी चोर-चोर चिल्लाया तो सभी वहां से भाग गए।

घटना की जानकारी मिलने पर रात में दंपति का बेटा सदासी केरकेट्टा अपने मात-पिता के पास पहुंचा। दोनों को चोरों ने मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। दोनों को इलाज के लिए अंबिकापुर मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं सदासी लकड़ा ने मामले की रिपोर्ट उदयपुर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

भगत सिंह चौक निर्माण को लेकर युवा पार्षद दीपक यादव मिले मुख्यमंत्री से...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर नगर पालिका निगम अंतर्गत वार्ड क्रमांक 28 के नव निर्वाचित युवा पार्षद दीपक यादव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मिलकर उन्हें भगत सिंह चौक निर्माण के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

पार्षद दीपक यादव ने बताया कि अंबिकापुर नगर पालिक निगम का वार्ड क्रमांक 28 शहीद भगत सिंह के नाम पर है, स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाले भगत सिंह युवा क्रांतिकारी के रूप में वीरगति को प्राप्त हुए और सदा से वे युवाओं के प्रेरणा स्रोत रहे हैं। दीपक ने बताया कि अंबिकापुर में कोई भी चौक या मार्ग भगत सिंह के नाम पर नहीं है, इसलिए वार्डवासी सहित नगर के जन भावना के अनुरूप उन्होंने मुख्यमंत्री से भगत सिंह की प्रतिमा के साथ भव्य चौक का निर्माण के स्वीकृति का निवेदन किया है।

आयुक्त सरगुजा संभाग ने दिया जांच का आदेश

मामला लक्ष्मीनारायण हॉस्पिटल का संचालन नियम विपरीत करने एवं नक्शा के विपरीत निर्माण करने के संबंध में...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

मामला गुदरी बाजार चौक विजय मार्ग अंबिकापुर में स्थित लक्ष्मीनारायण हॉस्पिटल का संचालन नियम विपरीत करने तथा हॉस्पिटल निर्माण हेतु पास नक्शा के विपरीत निर्माण करने तथा आवासीय को व्यावसायिक उपयोग में लाने के संबंध में डॉक्टर डी.के. सोनी अधिवक्ता एवं आईटीआई कार्यकर्ता के द्वारा दिनांक 12/2/2025 को एक शिकायत आवेदन मय दस्तावेज के साथ आयुक्त सरगुजा संभाग अंबिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया था जिसमें यह लेख किया गया था कि गुदरी चौक विजय मार्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 1141/17 रकबा 0.06 हेक्टेयर 1/2 एकड़ भूमि श्रीमती सुनीता खरे पत्नी सुरेश खरे के नाम से नजूल भूमि है।

उक्त भूमि को श्रीमती सुनीता खरे के द्वारा रामकुमार वर्मा से विक्रय पत्र दिनांक 16/9/2021 के माध्यम से क्रैक किया गया।

उक्त भूमि पर आवासीय निर्माण हेतु दिनांक 15/6/2023 को कार्यालय नगर पालिका निगम अंबिकापुर छत्तीसगढ़ के द्वारा भवन निर्माण हेतु अनुज्ञा पत्र क्रमांक 82 दिनांक 19/6/2023 को जारी किया गया। जिसमें भवन निर्माण करने के संबंध में सभी नियम शर्तों का उल्लेख किया गया जिसमें भूखंड के बाहर छज्जा, बालकनी के बाहर न निकाले, गंदा पानी निकाल व्यवस्था, निगम नाली तक स्वयं के खर्चे से करना, भूखंड सड़क के मध्य सामने 6 मीटर छोड़कर करना, सेट वैक्स छोड़ें सामने 43.94 मीटर, पीछे 3 मीटर, बाजु 1.52 मीटर, दुसरे बाजु 0 मीटर का लेख किया गया है इसके अलावा कुल निर्माण क्षेत्रफल भूतल तथा प्रत्येक पर G.F. 18.43,FF 147.59, SF 147.59 वर्ग मीटर में कमर्शियल भवन निर्माण से अधिक ना हो, भवन ऊंचाई 9.45 मीटर से अधिक ना हो, व फर्शी क्षेत्र 1.75 से अधिक ना हो इसके अलावा छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम 1984 के नियम 64 के अनुसार प्रति 100 वर्ग मीटर में प्रति वृक्ष के दर से वृक्षारोपण करना अनिवार्य होगा साथ ही साथ भवन निर्माण अनुज्ञा में यह भी लेख किया गया है कि प्रस्तावित सड़क चौड़ाई में आने वाले भाग को यातायात हेतु सड़क के लेवल पर रखे चबूतरा का कोई भी निर्माण न करें और रेन वाटर हार्वेस्टिंग भूमि विकास नियम 78 के अनुसार प्रावधानों का पालन करना भी अनिवार्य होगा।

भवन अनुज्ञा के साथ निर्माण कार्य हेतु नक्शा की भी स्वीकृत की गई थी जिसमें निर्माणाधीन स्थल दर्शाया गया है जिसमें उक्त निर्माणाधीन स्थल गुदरी बाजार चौक जाने वाले रास्ते पर उक्त भूमि स्थित होना दर्शाया गया है इस प्रकार उक्त अस्पताल का निर्माण गुदरी बाजार चौक की तरह होना है जो कि नक्शे में दर्शित होता है इसके अलावा उक्त नक्शे के अनुसार वर्तमान में निर्माण कार्य नहीं किया गया है तथा नक्शे की विपरीत कार्य कर भवन निर्माण अनुज्ञा के आदेश का उल्लंघन किया गया है। साथ ही साथ हॉस्पिटल का मुख्य द्वार विजय मार्ग की तरफ किया गया है इसके उपयोग हेतु कोई भी अनुमति नगर पालिका निगम से नहीं ली गई है इसलिए भी उक्त अस्पताल के विरुद्ध कल करवाई किया जाना आवश्यक है।

भवन निर्माण अनुज्ञा में उल्लेखित उपरोक्त नियमों को दरकिनार कर निर्माण कार्य कराया गया है तथा उल्लंघन किया गया है इसलिए नगर निगम से प्रदान किए गए भवन की अनुमति के विपरीत निर्माण करने के संबंध में समुचित कार्यवाही कर अवैध निर्माण को हटाया जाना आवश्यक है।

भवन निर्माण में आवासीय निर्माण की अनुमति प्रदान की गई है जो कि श्रीमती सुनीता खरे के द्वारा दिनांक 28/1/2023 को दिए गए दो शपथ पत्र है से प्रमाणित है जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि आवासीय भवन का निर्माण किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत की गई है इस प्रकार उपरोक्त भूमि खसरा नंबर 1141 / 17 में व्यावसायिक अनुमति प्रदान नहीं की गई है लेकिन वर्तमान में उपरोक्त भूमि में अवैध तरीके से भवन निर्माण कर निर्माणाधीन भवन में व्यावसायिक उपयोग हॉस्पिटल का संचालन किया जा रहा है जो कि नियम विपरीत है।

उक्त स्थान काफी व्यस्त मार्ग है जहां हमेशा गाड़ियों का आना-जाना लगा रहता है अस्पताल के रूप में उपरोक्त भवन का उपयोग करने के कारण मुख्य सड़क पर वाहन खड़े किए जाने से आवागमन बाधित होती है जिससे आम नागरिकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है क्योंकि उक्त अस्पताल का निर्माण अंबिकापुर गुदरी बाजार चौक जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित है जिसे गलत तरीके से विजय मार्ग जो संगम चौक तक जाता है उधर अस्पताल का उपयोग किया जा रहा है जिसे आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है एवं दुर्घटना भी कारित होती रहती है तथा कई दुर्घटना उक्त अस्पताल के सामने हो गई है इसलिए भी हॉस्पिटल हेतु निर्मित उपरोक्त भवन को नियम के विपरीत होने के कारण तत्काल बंद कराए जाने हेतु लेख किया गया है।

उपरोक्त शिकायत एवं उसके साथ प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर आयुक्त सरगुजा संभाग अंबिकापुर के द्वारा दिनांक 18/2/2025 को

कलेक्टर सरगुजा को पत्र जारी कर आवेदन पत्र में उल्लेखित तथ्यों की जांच कराकर नियमानुसार कार्यवाही कर 15 दिवस के भीतर प्रतिवेदन कार्यालय में प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है।

जेलेंस्की-ट्रंप विवाद के बीच चीन ने चली नई चाल,यूरोपीय संघ के साथ संबंध बढ़ाने की तैयारी

बीजिंग,04 मार्च 2025। यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच दूरी बढ़ी है। इस बीच, चीन ने यूरोपीय संघ के साथ अपने संबंधों को बढ़ाने की योजना बनाई है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की बैठक में तीखी बहस हुई थी।

चीन और यरोप के बीच भू-राजनीतिक संघर्ष नहीं

चीन की संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) के प्रवक्ता लू किनजियान ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि उनका देश 27 सदस्यीय ईयू के साथ एकतरफा फैसलों के खिलाफ काम करने के लिए तैयार है। लू ने कहा, बीते पचास वर्षों में तथ्या बार-बार यही साबित करते हैं कि चीन व यूरोप के बीच कोई मौलिक हितों का टकराव या भू-राजनीतिक संघर्ष नहीं है, बल्कि वे एक-दूसरे की कामयाबी में योगदान देने वाले साझेदार हैं।

ट्रंप-जेलेंस्की विवाद का फायदा उठाना चाहता है चीन

चीन ईयू के साथ अपने संबंधों को बढ़ाना चाहता है, जिसे वह अपने एआई से सक्षम इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरियों के लिए एक

लाभदायक बाजार मानता है। यूरोपीय संघ ने स्वदेशी मॉडलों की सुरक्षा के लिए चीनी ई-वाहनों पर भारी शुल्क लगाया हुआ है। हाल ही में जेलेंस्की और ट्रंप के बीच हुई विस्फोटक बैठक के बाद अमेरिका और ईयू के रणनीतक संबधों में आए बदलाव का फायदा उठाना चाहता है।

ईयू के नेताओं ने जेलेंस्की के साथ जताई एकजुटता

ट्रंप के साथ बैठक में तीखी बहस के बाद ईयू के नेताओं ने जेलेंस्की के साथ एकजुटता दिखाई। बैठक का वीडियो चीन के सरकारी मीडिया में बड़े पैमाने पर प्रसारित किया गया। ट्रंप-जेलेंस्की विवाद चीन के लिए एक कठिन क्षण है, क्योंकि यूक्रेन पर युद्ध को खत्म करने का दबाव डालते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ गर्मजोशी दिखा रहे हैं, जो चीनी नेता शी जिनपिंग के करीबी सहयोगी हैं। ट्रंप और पुतिन के बीच बढ़ते मेल-मिलाप को लेकर बीजिंग में चिंता बनी हुई है।

वर्षों से अमेरिका और उसके सहयोगियों से पैदा होने वाले खतरों का सामना करने के लिए शी और पुतिन ने करीबी संबंध बनाए हैं। एक मार्च को पुतिन ने अपने शीर्ष सुरक्षा अधिकारी सर्गेई शोइगु को बीजिंग भेजा, ताकि वह शी को यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए वॉशिंगटन के साथ चल रही वार्ताओं के बारे में जानकारी दे सकें।

यूरोपीय दशों की रक्षा को मजबूत करने की तैयारी, ईयू प्रमुख ने रखा 841 अरब डॉलर की योजना का प्रस्ताव

ब्रसेल्स (बेल्जियम),04 मार्च 2025। यूरोपीय संघ (ईयू) की प्रमुख ने मंगलवार को 800 अरब यूरो (841 अरब अमेरिकी डॉलर) की योजना का प्रस्ताव रखा। इस योजना का मकसद ईयू के सदस्य देशों की रक्षा प्रणाली को मजबूत करना है, ताकि अमेरिका की ओर से मदद पर संभावित रोक के असर को कम किया जा सके और रूस के खिलाफ लड़ाई में यूक्रेन को सैन्य मदद जारी रखी जा सके।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि रिआर्म यूरोप पैकेज यूरोपी संघ के उन 27 नेताओं को दिया जाएगा, जो वॉशिंगटन से दूरी के एक सप्ताह बाद ब्रसेल्स में एक आपात बैठक में मिलेंगे। ट्रंप ने महाद्वीप और यूक्रेन की रक्षा के लिए उनके गठबंधन पर सवाल उठाया था। डेर लेयेन ने कहा, हमें उन खतरों की गंभीर प्रकृति का वर्णन करने की जरूरत नहीं है, जिनका हम सामना कर रहे हैं।

वित्तीय प्रतिबंधों में ढील देगा यूरोपी संघ ईयू देशों ने पिछले कुछ दशकों में रक्षा पर खर्च कम किया है, क्योंकि उन्होंने अमेरिकी परमाणु सुरक्षा पर निर्भर रहते हुए अपनी कमजोर अर्थव्यवस्था पर फोकस किया। यह स्थिति अब उनके लिए रक्षा खर्च को तेजी से बढ़ाने में चुनौतियां पैदा कर रही है। डेर लेयेन ने कहा कि ईयू का पहला काम बजटीय खर्च पर लगाए वित्तीय प्रतिबंधों में ढील देना है, ताकि सदस्य देश अपने रक्षा खर्च को बिना किसी दंडात्मक नियमों को लागू किए काफी बढ़ा सकें।

रक्षा उपकरणों में सुधार की जरूरत:डेर लेयेन

उन्होंने कहा, अगर सदस्य देश अपने रक्षा खर्च को जीडीपी के औसतन 1.5 फीसदी तक बढ़ाते हैं, तो यह चार वर्षों में करीब 650 अरब यूरो (683 अरब अमेरिकी डॉलर) तक हो सकता है। उन्होंने कहा कि मिसाइल, तोपखानों, गोला-बारूद और ड्रोन विरोध प्रणाली व साइबर हमलों जैसे सैन्य उपकरणों में सुधार की जरूरत है। यह योजना ईयू के कई सदस्य देशों को अपने सैन्य खर्च को काफी बढ़ाने के लिए मजबूर करेंगी, जो अभी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के दो फीसदी से कम है। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने सदस्य देशों से कहा कि जितनी जल्दी हो सके, उन्हें तीन फीसदी पर पहुंचना चाहिए।

बांग्लादेश और भारत के रिश्ते मजबूत,बस गलतफहमी दूर करनी है,विवाद के बीच बोले यूनुस

ढाका,04 मार्च 2025। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत के साथ संबंधों को मजबूत बताते हुए, दोनों देशों के बीच बढ़ती गलतफहमियों को दूर करने की कोशिशों का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और भारत के रिश्ते मजबूत हैं और इन पर कोई असर नहीं पड़ा है, हालांकि कुछ विवाद जरूर पैदा हुए हैं, जिनका कारण उन्होंने गलत जानकारी और प्रचार बताया।

एक समाचार चैनल को दिए इंटरव्यू में यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच ऐतिहासिक, राजनीतिक और आर्थिक संबंध इतने गहरे हैं कि उन्हें बदल पाना मुश्किल है। उन्होंने कहा, %बांग्लादेश-भारत के रिश्ते अच्छे नहीं हो सकते, ऐसा कोई सवाल ही नहीं है। हमारे रिश्ते बहुत करीब हैं और हमारी आपसी निर्भरता बहुत अधिक है। हालांकि, कुछ समस्याएं

आई हैं, जिन्हें मैंने बादल की तरह बताया है जो बीच में आ गए हैं। ये बादल ज्यादातर प्रचार से उत्पन्न हुए हैं और इसका स्रोत कौन है, यह दूसरों पर छोड़ता हूं।

अंतरिम सरकार के प्रमुख ने यह भी कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच गलतफहमियों को दूर करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और दोनों देशों के बीच सहयोग को फिर से मजबूत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश और भारत के बीच लगातार संवाद हो रहा है। %भारत के प्रतिनिधि यहां आ रहे हैं और हमारे अधिकारी वहां जा रहे हैं। मैंने व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी पहली सप्ताह में बात की थी।

भारत-बांग्लादेश के रिश्ते पिछले साल अगस्त में उस समय तनावपूर्ण हो गए थे, जब बांग्लादेश में छात्र नेतृत्व वाले बड़े प्रदर्शनों के दौरान 1,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसके बाद बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार का पतन हो गया और एक अंतरिम सरकार बनी, जिसकी आलोचना भारत ने बांग्लादेश के हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों के मामले में की। शेख हसीना, जो 16 साल तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रही थीं, अगस्त 2024 में भारत चली गईं और तभी से वह भारत में रह रही हैं। इस बीच, बांग्लादेश के राजनीतिक दलों ने जल्द चुनाव की मांग की है और लोकतांत्रिक शासन की वापसी की बात की है। यूनुस ने कहा कि चुनाव 2025 के अंत तक संभव हो सकते हैं।

घर में ताला बंद कर भागवत कथा सुनने गया था पूरा परिवार, इधर चोरों ने पार कर दिए जेवरात व रुपए

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

घर में ताला बंदकर पूरा परिवार 1 मार्च की रात को भागवत कथा सुनने गांव में ही रिश्तेदार के घर गया था और चाभी घर के बाहर दीवार पर बने गड्ढे में छुपा दिया था। इधर चोरों ने गड्ढे से चाभी निकालकर सूने मकान का ताला खेलकर सोने-चांदी के जेवरात व नगदी 25 हजार रुपए पार कर दिया है। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट उदयपुर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कर रही है। जानकारी के अनुसार सुखदेव यादव ग्राम केदमा चौकी केदमा थाना उदयपुर का रहने वाला है। 1 मार्च की शाम को इसका पूरा परिवार परिवार गांव में रिश्तेदार के घर भागवत कथा सुनने गया था। घर में ताला बंद था और चाभी घर के बाहर गड्ढे में छिपाकर रखे थे। सभी रात 9 बजे भागवत कथा सुनकर वापस आए और गड्ढे से चाभी निकालकर घर खोलकर अंदर अपने-अपने कमरे में सभी सोने चले गए। सुबह सुबह उठकर देखा तो पेटी खुला हुआ था सामान बिखरा पडा था। पेटी में रखे सोने का मंगल सूत्र, सोने का नाक का छुछिया, 1 जोडी चांदी का पायल, कान का झुमका, 40 किलो चावल व नकदी 25 हजार रुपए नहीं थे। घर वालों का मनना है कि भागवत कथा सुनने गए थे उसी दौरान अज्ञात चोर द्वारा घर के दीवार में बने गड्ढे से चाभी निकालकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया और चाभी वहीं रख दिया। सुखदेव ने मामले की रिपोर्ट उदयपुर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कर रही है।

कार की टक्कर से घायल बाइक सवार की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

कार की ठोकर से घायल व्यक्ति की हायर सेंटर रायपुर ले जाते वक्त मौत हो गई। दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति की दुर्घटनास्थल पर पूर्व में ही मौत हो गई थी।

ग्राम गेजी निवासी मो. मेराज ने पुलिस को बताया है कि सादिक, तासिर हुसैन व मो. आलम दो अलग-अलग मोटरसायकल से 2 मार्च को अपने घर देवनगर से बाजार करने गणेशपुर जा रहे थे। सादिक व तासिर एक बाइक में सवार थे, दूसरे में मो. आलम अकेले था। ग्राम छिन्दिया मेन रोड में सामने से आ रहे टाटा नैक्सोन कार क्रमांक सीजी 15 डीपी 4819 के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सामने से दोनों मोटरसायकल सवारों को ठोकर मार दिया। दुर्घटना में तीनों को चोटें आई थी। आसपास के लोगों ने इन्हें सीएचसी रामानुजनगर भेजा, लेकिन रास्ते में ही मो. सादिक की मौत हो गई थी। मो. आलम व तासीर हुसैन को प्राथमिक उपचार के

बाद जिला अस्पताल सूरजपुर रिफर किया गया था। यहां से तासिर हुसैन पिता निजामुद्दीन 52 वर्ष को रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था। तासिर हुसैन की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया था। रायपुर ले जाते वक्त रास्ते में ही उनकी मौत हो गई थी। स्वजन वापस मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने तासिर हुसैन को मृत घोषित कर दिया। घटना से स्वजन में शोक का माहौल है। पुलिस ने तासिर हुसैन के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

कलेक्टर ने निर्वाचित अध्यक्ष व सदस्यों को प्रदाय किया विजयी प्रमाण-पत्र

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में नगर पालिक निगम अम्बिकापुर के अध्यक्ष एवं अपील समिति के निर्वाचन हेतु प्रथम सम्मेलन का आयोजन किया गया।

निर्वाचन प्रक्रिया में नवनिर्वाचित पार्षदों के बीच आपसी सहमति से निर्विरोध अध्यक्ष एवं अपील सदस्यों का चुनाव संपन्न हुआ। नगर पालिक निगम अम्बिकापुर में स्पीकर के पद पर हरमिंदर सिंह टिन्नी तो वहीं अपील समिति में श्री पपीन्दर सिंह, श्रीमती गीता प्रजापति, श्रीमती सुषमा रोचक गुप्ता एवं श्री विकास पाण्डेय चुनें गए। कलेक्टर ने निर्वाचित अध्यक्ष एवं अपील सदस्यों को विजयी प्रमाण पत्र प्रदाय किया और उनके नए दायित्वों के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर नगर पालिक निगम महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल एवं नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एफआरए पत्र धारकों के वारिसान अब कर सकते हैं नामांतरण के लिए आवेदन

» प्रति सप्ताह गुरुवार को सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग को प्रस्तुत करें आवेदन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग मंत्रालय के निर्देशानुसार, व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र धारकों की मृत्यु होने पर उनके वारिसान के नामांतरण की प्रक्रिया का प्रावधान है। ऐसे पात्र वारिसान,जिनके स्वजन व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र धारक थे और जिनका निधन हो चुका है, वे अपने नाम पर नामांतरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें वन अधिकार पत्र और आवश्यक दस्तावेज, जैसे आधार कार्ड, मृत्यु प्रमाण पत्र और वंशावली प्रमाण पत्र, के साथ प्रति सप्ताह गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कंपोजिट बिल्डिंग में सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, अंबिकापुर के वन अधिकार शाखा कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

विद्युत विभाग द्वारा मनाया गया लाइनमैन दिवस

» 4 मार्च को मनाया जाता है राष्ट्रीय लाइनमैन दिवस
» 2024 में भारत सरकार ने घोषित किया है
» लाइनमैनों के लिए स्मरणीय दिवस
» सम्मानित किए गए अनेक लाइनमैन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी अंबिकापुर द्वारा राष्ट्रीय लाइनमैन दिवस श्रम कल्याण भवन गांधीनगर में सैकड़ों लाइनमैन कर्मचारियों की उपस्थिति में बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अंबिकापुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री टी के मेश्राम बतौर मुख्य अतिथि, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आवेदन कुजूर अध्यक्ष एवं खास पहुना के रूप में अधीक्षण अभियंता श्री आर के मिश्रा एवं एस के सिंह उपस्थित रहे।

आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने 2024 में यह घोषणा की है कि प्रतिवर्ष 4 मार्च को लाइनमैन दिवस मनाया जाएगा। इस क्रम में आज 4 मार्च को अंबिकापुर में आयोजित इस समारोह में उच्च अधिकारियों ने विद्युतीय कार्य में लाईनमैनों के महत्व, योगदान और सेवा कार्य के लिए सभा में उपस्थित सभी लाईनमैनों को पुष्पहार पहना कर सम्मानित किया।

मुख्य आतिथ्य उद्बोधन में मुख्य अभियंता श्री मेश्राम ने क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था सुचारू बनाये रखने के लिए लाइनमैनों को धन्यवाद दिया। उन्होंने सम्पूर्ण सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करते हुए कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने लाइन कर्मचारियों को विभाग की रीढ़ बताया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री आवेदन कुजूर ने सुरक्षा उपकरणों के उपयोग के तरीके और उनसे होने वाले लाभ के बारे में बताया और कहा कि सुरक्षा उपकरण सफल विद्युतीय कार्य सहित परिवार की आकांक्षाओं को पूरा करने में सहायता करते हैं।

विशिष्ट अतिथि आर के मिश्रा ने सरगुजा संभाग की विद्युत व्यवस्था को उत्कृष्ट बनाने के लिए मैदानी कर्मचारियों की सराहना की और आगे भी उत्कृष्ट कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लाइनमैनों के योगदान के बिना कंपनी की पहचान अधूरी है।

विशिष्ट अतिथि एस के सिंह ने विद्युत लाईन नेटवर्क की पहचान और हॉटलाइन पर काम करने के गुर सिखाये और कहा कि सचेत और सजग रहकर कार्य करने से ही विद्युत दुर्घटना से बचा जा सकता है।

कार्यक्रम में विभिन्न वितरण केंद्र एवं उपसंभाग से सैकड़ो लाइनमैन उपस्थित रहे। इनमें मोहम्मद हनीफ, अभिषेक बोहिदार, मेघनाथ, शोभित राम, अरुण द्विवेदी, ठाकुरदास, राधेश्याम, चंद्र कुमार, सूरज सिंह, राजेन्द्र गुप्ता, मनीराम तांबे, भुवनेश्वर कश्यप, गणेश चौहान, शिवकुमार चंद्राकर, ईश्वर प्रसाद आदि वरिष्ठ लाइनमैन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन शहर संभाग के कार्यपालन अभियंता एस पी कुमार और ओ एंड एम के कार्यपालन अभियंता आर नागवंशी के मार्गदर्शन में हुआ। सभा का संचालन ग्रामीण उपसंभाग के सहायक अभियंता आर के जायसवाल ने किया। सहयोगी के रूप में सहायक अभियंतागण लोकेश नामदेव, लोकेश देवांगन,अभिनेश बंजारे, आर आर पांडेय, बी के टोप्पो तथा सहित कनिष्ठ अभियंतागण आरपी राजवाड़े, रघुबंश साहू, विराजमान एक्का, सुनील राम आदि की प्रमुख भूमिका रही।

इस अवसर पर तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक यतींद्र गुप्ता ने स्वरचित गीत ÷बिजली के सिपाही ~लाइनमैन÷ गीत गाकर मन मोह लिया। उनका यह गीत लाईनमैनो की दशा, उनके योगदान और कार्यशैली पर आधारित है।

विद्युत कम्पनी प्रबंधन ने आज इस अवसर पर सभी फील्ड एवं तकनीकी कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दिया है। अंत में सभी कर्मचारियों को सुरक्षा सामग्री और मानकों का उपयोग करते हुए सजगता और जिम्मेदारी के कार्य करने हेतु शपथ दिलाई गई।

राज परिवार का जमीन विवाद पहुंचा तहसील कार्यालय तक

राज परिवार के वारिसदार आपत्ति कर रहे दर्ज | राज परिवार का जमीन विवाद अब जिले के लिए नई सुर्खी

तरगवां की जमीन पर कब्जा करने वाली पूर्व विधायक के लिए आई बुरी खबर उस जमीन पर वारिसदार ने अपना नाम दर्ज कराने लिया न्यायालय शरण

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,04 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले का राजपरिवार और उसका जमीन विवाद सुर्खियों में आया है। मामला तरगवां सहित बैकुंठपुर एवम अन्य जगहों की जमीन का है। राजपरिवार वैसे तो माना जा रहा था की जमीन विवाद से दूर है ऐसा अब लगता नहीं है क्योंकि वारिसदारों ने तहसील कार्यालय में आपत्तियां दर्ज की हैं। दैनिक घटती-घटना ने तरगवां की जमीन को लेकर और पूर्व विधायक बैकुंठपुर जो राजपरिवार की ही सदस्य हैं के द्वारा उक्त जमीन पर कब्जा किया जा रहा है इस आशय का खबर प्रकाशित किया था और अब वह बात सही साबित हो रही है जब राजपरिवार के वारिसदार सामने आकर ऐसा खुद आपत्ति दर्ज कर रहे हैं। तरगवां की जमीन पर पूर्व विधायक ने अपना घर भी बना लिया है और यह घर कब्जा दर्ज करने के उद्देश्य से बनाया गया है ऐसा अंदेशा दैनिक घटती-घटना ने पहले ही दर्ज किया था। वैसे पूर्व विधायक का घर अब बन चुका है और वह रह भले नहीं रही हैं लेकिन उन्होंने कब्जा दर्ज कराने की पूरी तैयारी कर ली थी उसी बीच यह आपत्ति दर्ज हुई है जो राज परिवार के ही वारिसदारों ने दर्ज की है। राज परिवार के वारिसदारों ने तरगवां,भण्डारपारा,और बैकुंठपुर की राजपरिवार की जमीनों के खरीदी बिक्री पर रोक लगाने की भी मांग की है और उनका कहना है कि उनके बिना सहमति ऐसा न किया जाए।

बताया जा रहा है कि कुछ जमीनें राजपरिवार की बिक्री की जाने वाली थीं और तभी यह आपत्ति लगाई गई है राजपरिवार के ही वारिसदारों के द्वारा। वैसे मामला राजस्व न्यायालय का है और फैसला उन्हें ही करना है कि वह जमीन को लेकर क्या निर्णय लेते हैं प्रारंभिक तौर पर वारिसदारों की आपत्ति वह दर्ज कर आगामी किसी खरीदी बिक्री या निर्माण पर रोक लगाते हैं की नहीं वहीं एक बात इस आपत्ति से साफ हो गई कि दैनिक घटती-घटना की खबर सही थी और तरगवां की जमीन पर पूर्व विधायक कब्जा ही कर रही थीं। वैसे राजपरिवार के वारिसदारों की आपत्ति के बाद अब राजपरिवार का जमीन विवाद राजस्व न्यायालय में विचाराधीन हो गया और अब उन्हें राजस्व न्यायालय से ही मामले का निपटारा करना होगा और इस तरह यह भी सामने आया कि राजपरिवार की जमीनों का अभी भी असल बंटवारा बाकी है या बंटवारा सही नहीं हुआ है। वैसे पूर्व विधायक के लिए यह बड़ा झटका है और वह अब विपक्ष में रहते हुए कैसे इस विवाद का और आपत्ति का निपटारा करेंगी यह देखने वाली बात होगी। राजपरिवार की तरगवां की ही जमीन लगभग 50 एकड़ से ज्यादा जमीन है इसी तरह बैकुंठपुर की भी जमीन 50 एकड़ से ज्यादा है वहीं भण्डारपारा की भी जमीन अब विवाद में जा फंसी है। पूर्व विधायक जो एक तरह से मायके पक्ष की जमीन पर काबिज हुई हैं तरगवां की वह क्या उतराधिकारी बन पाती हैं यह भी देखने वाली बात होगी वहीं तरगवां की जमीन जो हेलेन नाम की विदेशी मूल जहां तक जानकारी मिली है के नाम पर फौती दर्ज जमीन है उस जमीन पर उनका हक अधिकार साबित होता है कि नहीं यह भी देखने वाली बात होगी।

दैनिक घटती-घटना की खबर एक बार फिर सही साबित होती दिख रही है-

दैनिक घटती घटना की खबर फिर एकबार सही साबित होती दिख रही है। राजपरिवार की तरगवां की जमीन जो राजपरिवार की ही एक विदेशी मूल की महिला के नाम पर दर्ज थी पर पूर्व विधायक कब्जा कर रही हैं इस आशय की खबर दैनिक घटती घटना ने प्रमुखता से प्रकाशित की थी। तब खबर के आधार पर कोई भी कार्यवाही राजस्व विभाग ने संज्ञान लेकर नहीं की थी लेकिन अब जब राजपरिवार के ही वारिसदार सामने आकर अपना हक अधिकार जता रहे हैं ऐसे में यह कहना गलत जी नहीं है कि दैनिक घटती घटना की खबर सही थी। अब देखने वाली बात यह होगी कि कैसे राजस्व विभाग मामले में राजपरिवार के वारिसदारों को न्याय दिलाता है और कैसे मामले में न्याय करता है।

जिनका जमीन पर नहीं है कोई हक वह कर रखे हैं जमीन पर कब्जा

तरगवां की जमीन एक विदेशी मूल की महिला के नाम पर फौती दर्ज जमीन है जो राजपरिवार की सदस्य हैं वहीं पूर्व विधायक राजपरिवार की सदस्य हैं जरूर लेकिन राजपरिवार उनका मायका पक्ष है और ऐसे में शायद ही उनका हक जमीन पर बनता है। अब बिना हक के वह जमीन पर कब्जा जमा रहीं थीं। राजपरिवार वारिसदारों की माने तो पूर्व विधायक का जमीन पर कोई हक बनता ही नहीं है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि वह कब्जा जिस जमीन पर दर्ज कर रही थीं जिस जमीन पर कोई उनका हक ही नहीं था।

राज परिवार की जमीन पर अपना हक लेने वारिसदार आए कोरिया

राजपरिवार की जमीनों पर अपना हक दर्ज करने राजपरिवार के सदस्य कोरिया पहुंचे हैं। गुजरात से कोरिया पहुंचे राजपरिवार महाराज कुमार लाल हरि शरण सिंह देव के पोते महाराज कुमार राजदीप सिंह देव व उनकी पुती राजकुमारी अनुराधा सिंह देव राणावत व उनके पति राजकुमार महिपाल सिंह राणावत (कोरिया राजपरिवार के जमाई साहब) ने परिवार सहित कुमार साहब की समाधि पर पुष्प घुच भेट कर सबसे पहले आशीर्वाद लिया उसके बाद दैनिक घटती घटना से मिलकर अपनी आपत्तियां दिखाई और न्याय के लिए उन्होंने खबर प्रकाशन की बात कही। कुल मिलाकर अब मामला राजपरिवार के वारिसदारों का और पूर्व विधायक के बीच का फंसता हुआ नजर आ रहा है।

महल सहित महल के आसपास व तरगवां की जमीन पर अपना नाम चढ़ने गुजरात से राज परिवार के बेटे व बेटी पहुंचे कोरिया

कोरिया पहुंचे राजपरिवार के बेटे बेटी अपना नाम राजपरिवार की जमीनों पर दर्ज कराना चाहते हैं। उनका कहना है कि वह असली वारिसदार हैं और उनका जमीन पर हक है। जमीनों में वह तरगवां की जमीन और बैकुंठपुर महल के पास की जमीन पर अपना कब्जा दर्ज कराना चाहते हैं और जिसके लिए उन्होंने तहसीलदार को आवेदन किया है जिसपर तहसीलदार को न्याय करते हुए कार्यवाही करना है।

सत्ता में रहने की वजह से नहीं हो पा रही थी पूर्व विधायक के विरुद्ध कोई कार्यवाही...अब मिल सकता है वारिसदारों को वर्तमान सत्ता का लाभ

पूर्व विधायक जब विधायक बनी तभी उन्होंने तरगवां की जमीन पर कब्जा जमाया। माना जा रहा है एक तहसीलदार की मदद से वह इस जमीन पर कब्जा जमाना शुरू की थीं। तब वह सत्ता में थीं और विधायक सहित राज्य के मंत्री का उन्हें दर्जा प्राप्त था और उनके विरुद्ध कोई बोलने या करने की जुर्रत नहीं कर पा रहा था खासकर राजस्व विभाग। अब जब वह विधायक नहीं हैं और जब सत्ता भी बदल चुकी है यह उम्मीद जताई जा रही है कि अब असल वारिसदारों को वर्तमान सत्ता का लाभ मिलेगा और उन्हें न्याय मिल सकेगा।वैसे पूर्व विधायक चुप बैठने वाली नहीं हैं और वह पूरा जोर लगाएंगी लेकिन देखना है सत्ता विपरीत होते हुए उन्हें कैसी मदद या कोई मदद मिलती है कि नहीं ।

शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में वार्षिक स्नेह सम्मेलन और पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

-संवाददाता-
कोरबा,04 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

कोरबा अंचल में संचालित शासकीय इं. वि. स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोरबा में 04 मार्च को वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय (आई.ए.एस.) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। सर्वप्रथम अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि आयुक्त श्री पांडेय ने अपने उदबोधन में कहा कि वार्षिक स्नेह सम्मेलन विद्यार्थियों में वर्ष भर के वैचारिक मतभेदों को भुलाकर जीवन के लक्ष्य प्राप्ति की यात्रा की ओर अग्रसर होना है, अपने अंदर की रुचि, हॉबी को विकसित करने की आवश्यकता है। वर्तमान में विद्यार्थियों में पुस्तक पढ़ने की रुचि कम हो रही है, अधिकांश समय मोबाइल में दे रहे है, इससे वैचारिक शक्ति का विकास नही हो रहा है, विद्यार्थियों को लक्ष्य बनाना होगा, खुद को समय देना होगा, नित प्रतिदिन सीखते रहकर भविष्य को उज्ज्वल बनाना होगा। आयुक्त ने विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से आग्रह किया कि अपने आसपास, गांव, शहर को स्वच्छ रखने के लिये प्लास्टिक का उपयोग कम करें और दूसरों को भी प्लास्टिक का उपयोग कम करने के लिये प्रेरित करें। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्रीमती शिखा शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय की वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये वर्षभर की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, जागरूकता एवं खेलकूद गतिविधियों की उपलब्धियों को साझा किया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों, शैक्षणिक समितियों के लिये अपने कौशल का जश्न मनाने एवं पुरस्कृत करने के लिये प्रतिवर्ष वार्षिकोत्सव मनाया जाता है। हमारा महाविद्यालय कोरबा जिला का अग्रणी महाविद्यालय है जिसकी स्थापना सन 1981 में

हुई। वर्तमान सत्र 2024-25 में 3038 विद्यार्थी अध्ययनरत है। महाविद्यालय में स्नातक, स्नातकोत्तर, कम्प्यूटर, स्ववित्तीय कोर्स में अध्यापन होता है साथ ही महाविद्यालय में शोधार्थियों के लिये शोध केंद्र स्थापित है। 2024-25 में हमारे महाविद्यालय के 29 छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय मेरिट में स्थान प्राप्त किये जिसमें 06 विद्यार्थी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इस सत्र में गणतंत्र दिवस परेड हेतु रमनदीप कौर एवं सुषमा बंजारे का चयन हुआ तथा ऋचा स्वर्णकार को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता, यूथ रेड क्रॉस सोसायटी, रेड रिबन क्लब, कैरियर काउंसिलिंग, प्लेसमेंट सेल के गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर अपना कौशल दिखाया। महाविद्यालय क्रीड़ा विभाग के 193 खिलाड़ियों ने 28 खेल विधा में परिक्षेत्र/अन्तर्राज्यीय स्पर्धा में भाग लिया। 86 खिलाड़ियों में राज्य स्तरीय प्रतिनिधित्व किया, 29 खिलाड़ियों ने विश्वविद्यालय में प्रतिनिधित्व किया जिसमें 14 खेलों में विजेता और 06 खेलों में उपविजेता रहें। प्राचार्य डॉ. श्रीमती शिखा शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि स्कूल, कालेज का जीवन विद्यार्थी का सबसे अच्छा जीवन होता है ,इस समय का सदुपयोग करके तब तक प्रयास करते रहना चाहिये जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाये। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई जिसमें सुआ लोकनृत्य, रावतनाचा, संबलपुरी नृत्य, लोकगीत, एकलनृत्य, समूह नृत्य, एकलगीत, समूह गीत की प्रस्तुति ने कार्यक्रम को आकर्षित किया। महाविद्यालय के विश्वविद्यालय की परीक्षा में मेरिट में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीमती अवंतिका कौशिल द्वारा किया गया। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये उपस्थित सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को धन्यवाद देकर कार्यक्रम का समापन किया गया। महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नालों के ऊपर से हटेगा अतिक्रमण...सी.एण्ड डी. वेस्ट पर भी होगी सख्त कार्यवाहीःनिगम आयुक्त

-संवाददाता-
कोरबा,04 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

कोरबा जिला नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिन व्यक्तियों द्वारा नालों के ऊपर अतिक्रमण कर लिया गया है, उन्हें स्वयं ही अतिक्रमण हटाने के लिए तत्काल नोटिस दें, यदि उनके द्वारा समयसीमा में स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाया जाता तो उसे हटाने की प्रभावी कार्यवाही कर अतिक्रमण को हटावें। उन्होने सडकों, सार्वजनिक स्थानों पर सी.एण्ड डी. वेस्ट की डंपिंग को गंभीरता से लेते हुए सी.एण्ड डी. वेस्ट को हटाने एवं संबंधित पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उक्ताशय के निर्देश आयुक्त श्री पांडेय ने सरदार पटेल नगर दर्री एवं कोसाबाड़ी वार्ड के भ्रमण के दौरान दिए। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा विगत लगभग 45 दिन से चलाए जा रहे स्वच्छता महाअभियान के तहत दर्री जोन के सरदार पटेल नगर वार्ड एवं कोसाबाड़ी जोन के कोसाबाड़ी डिंगापुर वार्ड में मेगा स्वच्छता ड्राईव संचालित की गई। आयुक्त श्री पांडेय ने उक्त दोनों वार्डो का दौरा कर वहॉं के साफ-सफाई कार्यो का सघन निरीक्षण किया। सरदार पटेल नगर वार्ड के भ्रमण के दौरान उनके संज्ञान में यह बात लाई गई कि कतिपय लोगों द्वारा नाले के ऊपर अतिक्रमण कर लिया गया है, जिसका निरीक्षण करते हुए आयुक्त श्री पांडेय ने संबंधित लोगों को नोटिस देने के निर्देश अधिकारियों के दिए तथा कहा कि यदि संबंधित लोगों द्वारा निर्धारित समयसीमा के भीतर स्वयं ही अतिक्रमण नहीं हटाया जाता तो इस प्रभावी कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण को हटाएं। इसी प्रकार अनेक स्थलों में सड़क पर सी.एण्ड डी. वेस्ट की डंपिंग किए जाने को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त श्री पांडेय ने सी.एण्ड डी. वेस्ट हटाए जाने एवं संबंधितों पर नियमों के तहत आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश भी अधिकारियों के दिए। बस्तियों में भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री पांडेय ने बस्तीवासियों से पूछा कि उनके घरों से कचरा

लेने के लिए निगम का सफाई रिक्शा समय पर उनकी गली व घर में पहुंचता है या नहीं, घरों से प्रतिदिन कचरे का संग्रहण किया जाता है या नहीं, जिस पर बस्तीवासियों ने बताया कि निगम का सफाई रिक्शा प्रतिदिन नियत समय पर उनके घर, गली में आता है तथा घरों से कचरे को संग्रहित करके ले जाता है। आयुक्त श्री पांडेय ने बस्तियों में अपशिष्ट संग्रहण का कार्य कर रही स्वच्छता दीदियों से भी चर्चा की तथा उन्हें घरों से सूखा व गीला कचरा पृथक-पृथक संग्रहित करने के निर्देश दिए, साथ ही कहा कि बस्ती का कोई भी घर न छुटे, प्रत्येक घर से अनिवार्य रूप से कचरे का संग्रहण किया जाएं।

आयुक्त श्री पांडेय ने बस्तीवासियों से आग्रह किया कि वे घरों से निकले कचरे को सड़क, नाली आदि में न डालें, सूखा व गीला कचरा पृथक-पृथक डस्टबिन में संग्रहित करके रखें तथा डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण हेतु पहुंचने वाली स्वच्छता दीदियों के रिक्शें में ही पृथक-पृथक कचरे को दें। उन्होने बस्तियों में स्थित दुकान संचालकों से कहा कि वे अपनी दुकानों के बाहर अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखें तथा दुकानों में पहुंचने वाले ग्राहकों को डस्टबिन में ही अपशिष्ट डालने को कहें।आयुक्त श्री पांडेय ने स्कूल प्रबंधन से कहा कि नगर निगम से संबंधित विभिन्न कार्यो से जुड़ी शिकायतों के निराकरण हेतु टोल फ्री नम्बर 1100 (निदान) में कॉल कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है, विद्यालय के छात्र-छात्राओं को भी इस टोल फ्री नम्बर की जानकारी दें, ताकि वे अपने घर, गली मोहल्लें के लोगों को भी इसकी जानकारी दे सकें।

संचालित मेगा स्वच्छता ड्राईव के तहत उक्त दोनों वार्डो की विभिन्न बस्तियों, कालोनियों, मोहल्लों आदि में व्यापक स्तर पर साफ-सफाई के कार्य अभियान के रूप में संपादित कराएं गए, नाले एवं नालियों की सतह से सफाई, झाड़ी, बर्म आदि की सफाई, सी.एण्ड डी.वेस्टब् व अपशिष्ट का उठाव व परिवहन आदि के कार्य कराएं गए। स्वच्छता महाअभियान के दौरान अपर आयुक्त विनय मिश्रा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय तिवारी, कार्यपालन अभियंता भूषण उरांव, अजीत तिग्गा, राकेश मसीह, प्रकाश चन्द्रा, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा, विपिन मिश्रा, सुशील चन्द्र सोनी, यशवंत जोगी, विनोद गोंड़, रितेश सिंह, स्वच्छता निरीक्षक शैलेन्द्र नामदेव, सचिन्द्र थवाईत, ढेलूराम देवांगन, पीआईयू धनमोहन व पंकज गभेल आदि के साथ स्वच्छता मित्रों, सफाई कर्मचारियों, स्वच्छता कमांडो आदि ने अपनी सहभागिता दी।

CMYK

सत्ताधारी दल के हाथों से एक बार फिर खिसक गया जनपद अध्यक्ष का पद...

विपक्ष अध्यक्ष बनाने में सफल सत्तापक्ष उपाध्यक्ष बनाकर झूम उठा

भाजपा बैकुंठपुर में जनपद अध्यक्ष नहीं बना पाई तो वहीं सोनहत में जनपद अध्यक्ष बनाने में सफल रही

क्या अध्यक्ष उपाध्यक्ष बनाने का समझौता था दोनों राट्रीय पार्टियों में... ?

सोनहत जनपद पंचायत में उपाध्यक्ष भाजपा कांग्रेस दोनों का नहीं बन सके, उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय ने मारी बाजी

क्या सत्ता व विपक्ष के समझौते से ही अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का हो पाता है निर्वाचन?

अध्यक्ष उपाध्यक्ष का चुनाव संपन्न हो गया पर कई सवाल भी छोड़ गया?

बैकुंठपुर जनपद में भाजपा का उपाध्यक्ष बनाने में हुई सफल

सोनहत जनपद में निर्दलीय उपाध्यक्ष बना भाजपा व कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी को हराकर

बैकुंठपुर जनपद में कांग्रेस अध्यक्ष बनने में सफल

कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी ने अध्यक्ष पद के लिए एक वोट से जीत की दर्ज

कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी उदय सिंह ने जनपद अध्यक्ष बैकुंठपुर के पद पर कब्जा जमाया। उदय सिंह एक मत से अपने प्रतिद्वंदी से जीत दर्ज कर सके।भाजपा समर्थित अध्यक्ष पद के प्रत्याशी को केवल 5 मत ही मिल सके। कुल 4 लोगों के बीच अध्यक्ष पद का चुनाव हुआ जिसमें बाजीलाल सवरते से कांग्रेस के उदय सिंह ने 1 मत से जीत दर्ज की। भाजपा की हेमपुष्पा को कुल 5 मत मिले जहां कांग्रेस प्रत्याशी को 10 और निकटतम प्रतिद्वंदी को 9 मत मिल सके ।

कांग्रेस ने आपसी लड़ाई में गंवाया उपाध्यक्ष पद

कांग्रेस चाहती तो उपाध्यक्ष का पद भी अपनी झोली में डाल सकती थी लेकिन जनपद उपाध्यक्ष के चुनाव में को कांग्रेस की आपसी लड़ाई उभर कर सामने आ गई और कांग्रेस से दो प्रत्याशी मैदान में उतर गए। भाजपा से भी उतरने के लिए दो प्रत्याशी मैदान में उतरे लेकिन भाजपा की एक प्रत्याशी ने अपना नाम वापस ले लिया जिसके बाद भाजपा ने प्यारेलाल साहू चुनाव जीत गए। कांग्रेस से गणेश राजवाड़े और राजू साहू दो दो प्रत्याशी मैदान में थे और यही कांग्रेस के हार का कारण बना।

पूर्व विधायक का मोह भाजपा का उपाध्यक्ष बनाने में देखा गयाःसूत्र

बताया जा रहा है कि पूर्व विधायक ने जनपद अध्यक्ष उपाध्यक्ष के चुनाव में खुलकर भाग लिया और उन्होंने अध्यक्ष के लिए तो कांग्रेस समर्थित का साथ दिया लेकिन उन्होंने उपाध्यक्ष के लिए भाजपा समर्थित की तरफ रुख रखा ऐसा सूत्रों का दावा है। वैसे सूत्रों का दावा कितना सच है यह तो दैनिक घटती घटना पुष्टि नहीं करता लेकिन बताया जा रहा है कि पूर्व विधायक भाजपा का ही उपाध्यक्ष बने इस मंशा के साथ ही भिड़ी नजर आई।

सोनहत जनपद पंचायत में उपाध्यक्ष समर्थित प्रत्याशी को नहीं बना पाई भाजपा,निर्दलीय बना उपाध्यक्ष तो भाजपा ने उसे बताया अपना

सोनहत जनपद पंचायत में बहुमत के बावजूद भाजपा अपना उपाध्यक्ष नहीं बना पाई और एक गैर समर्थित प्रत्याशी चुनाव जीत गया और उसके जीतते ही भाजपा ने उसे अपना बताना आरंभ कर दिया। वैसे उपाध्यक्ष को लेकर कांग्रेस ने भी यह जतलाने में कोई देरी नहीं की कि वह कांग्रेस का है और उसे बधाई देते खूब फोटो उन्होंने वायरल किए।अब उपाध्यक्ष किसका है यह तो उपाध्यक्ष ही बता पाएंगे जो निर्वाचित हुए हैं।

सोनहत जनपद में भाजपा अध्यक्ष बनने में सफल

-रवि सिंह-
कोरिया,04 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद मंगलवार को कोरिया जिले के दो जनपद क्षेत्र सोनहत बैकुंठपुर दोनों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद का चुनाव भी संपन्न हो गया, बैकुंठपुर जनपद पंचायत में जहां कांग्रेस अपना अध्यक्ष बनाने में सफल रही तो वहीं भाजपा उपाध्यक्ष बनाकर ही झूमती दिखी, सोनहत जनपद पंचायत में भाजपा अध्यक्ष बनने में सफल हो गई पर उपाध्यक्ष निर्दलीय प्रत्याशी बनने में सफल हुआ, मतलब कि यहां पर भाजपा कांग्रेस दोनों दल उपाध्यक्ष बनाने में असफल रहे, बैकुंठपुर जनपद अध्यक्ष उपाध्यक्ष चुनाव की बात की जाए तो यह देखने को मिला कि सत्ता के विरुद्ध का ही अध्यक्ष बनने में सफल रहा, यह तीसरी बार ऐसा देखा गया जब सत्तापक्ष के विपरीत बैकुंठपुर जनपद का अध्यक्ष निर्वाचित हुआ, 2015 में जब भाजपा की सरकार थी उस समय भी जनपद के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष विपक्ष के निर्वाचित होकर आए थे, जब 2020 में चुनाव हुआ उस समय कांग्रेस की सरकार थी पर जनपद बैकुंठपुर में अध्यक्ष भाजपा के निर्वाचित हुए व उपाध्यक्ष कांग्रेस के निर्वाचित हो सके थे, 2025 चुनाव में सरकार भाजपा की है पर यहां भी अध्यक्ष विपक्षी पार्टी कांग्रेस का निर्वाचित हुआ वहीं सत्तापक्ष के हाथ उपाध्यक्ष का पद ही लगा, यदि तीन पंचवर्षीय कार्यकाल को देखा जाए तो सत्तापक्ष के विपरीत ही बैकुंठपुर जनपद की सरकार बनी है, जो सिलसिला लगातार जारी है। 2015 वर्ष ही ऐसा था उस समय तो अध्यक्ष व उपाध्यक्ष दोनों सत्तापक्ष ने गवा दिया था और विपक्ष ही सफल था। इस बार के भी चुनाव की बात की जाए तो किसी के पास बहुमत नहीं था फिर भी कांग्रेस समर्थित अध्यक्ष प्रत्याशी को जीत मिली तो वहीं भाजपा समर्थित प्रत्याशी को उपाध्यक्ष बनने में सफलता मिली, वही अध्यक्ष व उपाध्यक्ष की गिनती की बात की जाए तो एक-एक मत के अंतर से हार जीत हुई। कांग्रेस चाहती तो उपाध्यक्ष भी बना ले जाती पर दो कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों की वजह से कांग्रेस उपाध्यक्ष का पद गवां बैठी। राजू साहू को रनई जमीदार जनपद सदस्य बनाने में तो सफलता दिला दी पर उपाध्यक्ष नहीं बना पाए।

सोनहत में अध्यक्ष बनाने में सफल हो गई भाजपा

सोनहत में भाजपा का अध्यक्ष निर्वाचित हुआ। भाजपा शुरू से बहुमत में थी वहीं इसी कारण वह अध्यक्ष बना ले गई। वैसे उपाध्यक्ष में भाजपा मात खा गई बहुमत के बावजूद।

क्या कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए सोनहत उनके जिले में नहीं आता

जिला विभाजन के बाद कोरिया जिले का हिस्सा है पर कांग्रेस कोरिया जिला कमेटी में लगता नहीं की सोनहत कोरिया जिले का हिस्सा है त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कुछ ऐसा ही देखने को मिला कांग्रेसी बिल्कुल भी यह भूल गए कि सोनहत भी उनके जिले का हिस्सा है या कहा जाए तो कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भूल गए कि सोनहत भी उनके क्षेत्र में आता है जहां प्रत्याशियों को जिताना व उनके लिए काम करना उनके लिए प्लान तैयार करना उनकी जिम्मेदारी है पर ऐसा देखने को नहीं मिला ना तो जिला पंचायत सदस्य जीयाने में ना ही जनपद सदस्य जीताने में और ना ही सोनहत जनपद में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष बनाने में इनकी रुचि देखी गई।

क्या भाजपा के लिए जो जीता वही सिकंदर?

भाजपा एक तरफ बैकुंठपुर में उपाध्यक्ष पद लेकर खुशी से झूम उठी वहीं सोनहत में वह अध्यक्ष तो जीता ले गई लेकिन गैर समर्थित उपाध्यक्ष जितने वाले को भी अपना बता ले गई,कुल मिलाकर भाजपा जो मिला उसी में खुशी मनाती नजर आई। जबकि कांग्रेस के सहयोंग से उपाध्यक्ष बने। राजू साहू को दो वोट मिलना कांग्रेस से उपाध्यक्ष पद छिनने जैसा- राजू साहू को दो मत मिले और यही कांग्रेस की हार का कारण हुआ।

अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का रोमांचक मुकाबला अध्यक्ष पद कांग्रेस के पास तो उपाध्यक्ष के पद पर भाजपा के पास

बैकुंठपुर जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष चुनाव में पूरी तरह चरितार्थ उतरी...बैकुंठपुर जपं के चुनाव में कांग्रेस उदय सिंह के अध्यक्ष पद का चुनाव जीतने के बाद उतनी खुशियां भाजपा उपाध्यक्ष पद के प्यारेलाल साहू के जीतने पर मनाई। कांग्रेस के 2 कंडीडेट उपाध्यक्ष के लिए खड़े होने पर भाजपा के प्यारे लाल साहू की राह आसान हो गई। भाजपा के प्यारेलाल साहू को 12 मत,कांग्रेस के गणेश राजवाडे को 11 व कांग्रेस के ही राजू साहू को 2 मत मिले। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, अनिल साहू, विनोद साहू, जगदीश साहू, शारदा गुप्ता, धीरेंद्र साहू सहित अनेक भाजपाइयों की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी के साथ खुशियां मनाई। वहीं गुटबाजी में बंटी कांग्रेस खेमे में पूरी तरह सन्नाटा छाया रहा। पटना नगर पंचायत के चुनाव के बाद जिस तरह त्रिस्तरीय जिला पंचायती चुनाव में कांग्रेस की गुटबाजी खुलकर सामने आई है, अगर यही हाल आगे भी नजर आता रहा तो कांग्रेस शीघ्र ही पूरी तरह कोमा में चली जाएगी। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में भाजपा एक अलग ही रंग व अंदाज में नजर आ रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पेश किया ऐतिहासिक बजटःश्याम बिहारी जायसवाल

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए बजट में महत्वपूर्ण प्रावधानःजायसवाल

-संवाददाता-
एमसीबी/ रायपुर 04 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने ऐतिहासिक बजट पेश किया है। 2025-26 के बजट में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। सरकार का लक्ष्य प्रदेश के नागरिकों को सुलभ, आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत ?1,850 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा। वहीं, शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के लिए 1,500 करोड़ की राशि आवंटित की गई है, जिससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलेगी।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, ÷मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। यह बजट स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल गरीबों और जरूरतमंदों को निःशुल्क उपचार मिलेगा, बल्कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार भी होगा।

उन्नत चिकित्सा सुविधाओं के लिए मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों का आधुनिकीकरण

प्रदेश के नागरिकों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सा संस्थानों का उन्नयन किया जा रहा है। डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल, रायपुर में उन्नत कार्डियक संस्थान के विस्तार के लिए 20 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिससे हृदय रोगियों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा मिलेगी। इसी क्रम में, रायपुर मेडिकल कॉलेज में कैंसर और अन्य गंभीर रोगों के उपचार हेतु आधुनिक उपकरणों की खरीद के लिए 20 करोड़ की राशि आवंटित की गई है। इसके अतिरिक्त रायपुर में ए.आर.टी. (आईवीएफ) केंद्र की स्थापना के लिए 10 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया है, जिससे निःसंतान दंपतियों को विशेष उपचार की सुविधा मिल सकेगी। वहीं एमआरआई और सिटी स्कैन मशीनों की स्थापना हेतु 35 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिससे सरकारी अस्पतालों में उन्नत डायग्नोस्टिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस पर श्री जायसवाल ने कहा,राज्य में उन्नत चिकित्सा सेवाओं का विस्तार हमारी प्राथमिकता है। इस बजट के माध्यम से सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों को आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित किया जाएगा, जिससे प्रदेशवासियों को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।

दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए नई पहल

छत्तीसगढ़ सरकार का विशेष ध्यान ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर है। इसी के तहत, मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए ?13 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। वहीं, सिकल सेल रोग की रोकथाम और उपचार हेतु विशेष सिकल सेल संस्थान स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए 13 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों की स्थापना के लिए 132 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। साथ ही, छत्तीसगढ़ आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया सेवा योजना के तहत 21 करोड़ की राशि आवंटित की गई है, जिससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा,हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से उपलब्ध हों। इस बजट में हाट-बाजार क्लिनिक योजना और सिकल सेल संस्थान जैसी नई पहलों के माध्यम से प्रदेश के हर नागरिक को स्वास्थ्य सुविधा देने का संकल्प लिया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार का यह बजट राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इन प्रावधानों से प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी और राज्य का चिकित्सा ढांचा अधिक मजबूत होगा।

कुसमी जनपद पंचायत में भाजपा समरपीत उम्मीदवार निर्विरोध अध्यक्ष उपाध्यक्ष बने

-संवाददाता-
कुसमी,04 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के जनपद पंचायत कुसमी में मंगलवार को जनपद पंचायत के अध्यक्ष उपाध्यक्ष का चुनाव रखा गया था,मिली जानकारी के मुताबिक जहां भाजपा समरपीत उम्मीदवार नवर्निवाचित बंसती भगत ने अध्यक्ष के लिये तो वही उपाध्यक्ष के लिये भाजपा समरपीत उम्मीदवार अशोक सोनी ने आवेदन किया था जहां पर अन्य किसी ने आवेदन नही किया जिस पर उन्हें निंविरोध अध्यक्ष बंसती भगत और निंविरोध उपाध्यक्ष अशोक सोनी को घोषित किया गया,घोषणा के बाद भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकत्ताओं खुशी की लहर झुम उठी और आतिशबाजी कर कुसमी शहर में विजय रैली निकाली गई वही भाजपा समरपीत नवर्निवाचित अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित जनपद सदस्यों ने कुसमी के मंदिरों में जाकर भगवान का आर्शीवाद भी लिया।

टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को दिखा दिया अपना दम

ऑस्ट्रेलिया को पीटकर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में पहुंची टीम इंडिया

दुबई,04 मार्च 2025। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पहला सेमीफाइनल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दुबई में खेला गया। इस मुकाबले को 4 विकेट से अपने नाम करके भारत ने फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। भारत की इस जीत में गेंदबाजों से लेकर बल्लेबाज तक सभी ने अपना अहम योगदान दिया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 49.3 ओवर में 264 रनों पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्टीव स्मिथ ने सबसे ज्यादा 73 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 4 चौका और 1 छक्का लगाया। उनके अलावा ट्रैविस हेड ने 33 गेंदों में 39 रन बनाकर आउट हुए। वहीं एलेक्स कैरी ने 57 गेंदों में 61 रन की पारी खेली। गेंदबाजी की बात करें तो भारत के लिए मोहम्मद शमी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। वहीं वरुण चक्रवर्ती और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज गिल 8 रन बनाकर आउट हुए। वहीं रोहित शर्मा 28 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद तीसरे विकेट के लिए विराट और श्रेयस अय्यर के बीच 91 रनों की पार्टनरशिप हुई। विराट 84 रन बनाकर आउट हुए तो वहीं श्रेयस अय्यर ने 45 रनों की पारी खेली। अंत में केएल राहुल 34 गेंदों में 42, हार्दिक पांड्या ने 24 गेंदों में 28 रनों की तेज पारी खेलकर भारत को एक बड़ी जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से नाथन एलिस और एडम जंपा ने 2-2 विकेट लिए।

टीम इंडिया ने पीसीबी के अरमानों पर फेरा पानी, अब पाकिस्तान में नहीं होगा चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल

भारतीय क्रिकेट टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में एंट्री कर ली है। चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ और भारत के फाइनल में पहुंचने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को करारा झटका लगा है। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है, लेकिन इसका फाइनल पाकिस्तान में नहीं खेला जाएगा, ये भी अब तय हो गया है। इससे शर्मनाक बात और क्या हो सकती है कि जिस देश के पास इस आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी है, वहां खिताबी मुकाबला ही नहीं होगा। टीम इंडिया ने पाकिस्तान के सारे अरमानों पर पानी फेर दिया है।

अब 9 मार्च को फाइनल खेलेगी टीम इंडिया

रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया अब 9 मार्च को होने वाले फाइनल में पहुंच चुकी है। आईसीसी ने पहले ही ये तय कर दिया था कि अब टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचती है तो पाकिस्तान में फाइनल नहीं होगा। भले ही पाकिस्तान के पास इस टूर्नामेंट की मेजबानी है, लेकिन बीसीसीआई ने टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से इन्कार दिया था, ऐसा टीम के खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। भारत ने अपने सभी तीन लीग मैच दुबई में ही खेले और सेमीफाइनल में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मुकाबला भी इस स्टेडियम पर खेला गया।

आईसीसी ने शेड्यूल जारी करते वक्त ही कर दिया था साफ

आईसीसी की ओर से जब चैंपियंस ट्रॉफी का शेड्यूल जारी किया गया था, तभी कहा गया था कि एक सेमीफाइनल लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होगा और भारत का सेमीफाइनल दुबई में होगा। साथ ही ये भी कहा गया था कि अगर भारत फाइनल में पहुंचता है तो खिताबी भिड़ंत भी दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगी। लेकिन अगर भारतीय टीम फाइनल में नहीं जा पाती है तो फिर लाहौर में ही फाइनल खेला जाएगा। टीम इंडिया की जीत के साथ अब फाइनल का वेन्यू भी तय हो गया है। तारीख तो पहले से ही 9 मार्च की पक्की हो चुकी थी।

न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका में से किसी एक टीम से होगा भारत का फाइनल

अभी ये तय नहीं है कि भारत का फाइनल में मुकाबला किससे होगा। 5 मार्च की शाम को इसकी तस्वीर साफ हो जाएगी। दूसरे सेमीफाइनल में लाहौर में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच भिड़ंत होगी। पाकिस्तान में इस साल की चैंपियंस ट्रॉफी का ये आखिरी मुकाबला होगा। जो भी टीम इस मैच को जीतेगी, वो लाहौर से सीधे दुबई पहुंचेगी और वहीं पर फाइनल में भारत से उसका मुकाबला होगा। भारतीय टीम पांचवीं बार चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची है।

पोंटिंग ने न्यूजीलैंड के मुकाबले दक्षिण अफ्रीका का समर्थन किया

दुबई,04 मार्च 2025। दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को पसंदीदा टीम बताया है। उन्होंने प्रोटियाज की लाइनअप में थोड़ा अधिक क्लास और ताकत का हवाला दिया है। हालांकि,उन्होंने चेतावनी दी कि अगर केन विलियमसन अपनी लय हासिल कर लेते हैं, तो वे अकेले ही मैच को न्यूजीलैंड के पक्ष में कर सकते हैं।

मंगलवार को आईसीसी रिव्यू पर बोलते हुए, पोंटिंग ने दोनों पक्षों का विश्लेषण किया और महसूस किया कि दक्षिण अफ्रीका का गहरा और विनाशकारी बल्लेबाजी क्रम उन्हें भारत की तरह बढ़त देता है। पोंटिंग ने कहा, अगर मैं दोनों पक्षों को देखता हूं, तो मुझे लगता है कि दक्षिण अफ्रीकी लाइन-अप में थोड़ा अधिक क्लास है। वे गहराई से बल्लेबाजी करते हैं। मुझे लगता है कि उनके पास न्यूजीलैंड के लिए थोड़ा अधिक ताकत हो सकती है। न्यूजीलैंड की उच्च दबाव की परिस्थितियों में उभरने की क्षमता को स्वीकार करते हुए, पोंटिंग ने उनके सबसे वरिष्ठ बल्लेबाज केन विलियमसन के महत्व पर प्रकाश डाला।

पाकिस्तान क्रिकेट में आया भूचाल

- मोहम्मद रिजवान से छिनी कप्तानी
- बाबर आजम भी टीम से बाहर

मुलतान,04 मार्च 2025। अपनी ही मेजबानी में खेली जा रही चैंपियंस ट्रॉफी में मिली करारी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में भूचाल आया हुआ है। पाकिस्तान का खेल इस टूर्नामेंट में तो खत्म हो गया है, लेकिन अब टीम अपनी अगली सीरीज की तैयारी में जुट गई है। इससे पहले कि चैंपियंस ट्रॉफी का नया चैंपियन मिले, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से नई सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया गया है। इस बीच टी20 सीरीज से मोहम्म रिजवान से कप्तानी छीन ली गई है और बाबर आजम को भी टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। हालांकि वनडे में जरूर रिजवान कप्तान हैं।

टी 20 सीरीज के लिए सलमान अली आगा को मिली टीम की कमान

चैंपियंस ट्रॉफी के तुरंत बाद पाकिस्तानी टीम न्यूजीलैंड के दौरे पर जाने वाली है। पहले पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी, इसके बाद तीन वनडे मैचों की सीरीज होगी। टी20 इंटरनेशनल में अब पीसीबी ने नया कप्तान बनाया है। इस बार ये जिम्मेदारी सलमान अली आगा को दी गई है। वहीं शादाब खान की टीम वापसी हुई है और वे उपकप्तान बनाए गए हैं। इस टीम में बाबर आजम का नाम नहीं है। पीसीबी की ओर से कई नए खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। माना जा रहा है कि इस सीरीज से पाकिस्तान अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में जुटने जा रहा है। अ ब ये कहना मुश्किल है कि मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम को टी20 सीरीज से

आराम दिया गया है या फिर उन्हें टीम से बाहर किया गया है।

वनडे में अभी भी मोहम्मद रिजवान ही कप्तान

इस बीच अगर वनडे टीम की बात की जाए तो वहां पर मोहम्मद रिजवान अपनी कप्तानी बरकरार रखने में कामयाब हो गए हैं। वहां पर सलमान अली आगा को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी गई है। इस टीम में बाबर आजम हैं, लेकिन शाहीन शाह अफरीदी का नाम इस लिस्ट में नहीं दिख रहा है। इतना ही नहीं सैम अयूब और फखर जमां की वापसी भी अभी तक होती हुई नजर नहीं आ रही है। यानी उनकी चोट शायदा ज्यादा गंभीर है, जो वे आने वाले कुछ और महीने क्रिकेट के मैदान से दूर रहेंगे।

ये रहा न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान सीरीज का शेड्यूल

टी 20 इंटरनेशनल सीरीज की बात की जाए तो इसका आगाज 16 मार्च से होगा, पहला मैच क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। सीरीज का दूसरा मैच 18 और तीसरा 21 मार्च को खेला जाना है। 23 मार्च को चौथा और 26 मार्च को आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच खेला जाएगा। इसके साथ ही टी20 सीरीज खत्म हो जाएगी। 29 मार्च से वनडे सीरीज का आगाज होगा। पहला मैच नेपियर में खेला जाना है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 2 अप्रैल को होगा और सीरीज का समापन 5 मार्च को आखिरी मैच के साथ होगा।

टी 20 सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम:
सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन नवाज, जहांदाद खान, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद अली, मोहम्मद हारिस, मुहम्मद इरफान खान, ओमैर बिन यूसुफ, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मोकिम।

वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम:
मोहम्मद रिजवान, सलमान अली आगा (उपकप्तान), अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, आकिफ जावेद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, इमाम-उल-हक, खुशदिल शाह, मोहम्मद अली, मोहम्मद वसीम जूनियर, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, सुफियान मोकीम, तैयब ताहिर।

साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल से पहले झटका, एडेन मार्करम हुए चोटिल

नईदिल्ली,04 मार्च 2025। साउथ अफ्रीका ने बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर जॉर्ज लिंडे को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दूसरे सेमीफाइनल से पहले रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया है। एडेन मार्करम के कवर के तौर पर वह लाहौर पहुंचेंगे, जहां यह मुकाबला खेला जाना है।

इंग्लैंड के खिलाफ हुए ग्रूप स्टेज के मुकाबले में फील्डिंग के दौरान मार्करम को सीधी हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, जिसके बाद वह बाकी मुकाबले से बाहर हो गए थे। मंगलवार (4 मार्च) की शाम को उनका फिटनेस टेस्ट के बाद ही यह तय होगा कि वह 5 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में खेलेंगे या नहीं।

छोटी उम्र में सिर से उठा मां-बाप का साया,चौल में बीता बुढ़ापा

ऐसी रही भारत की पहली लाफ्टर क्वीन की जिंदगी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 आने वाला है और इस अवसर पर इंडिया टीवी कई भारतीय महिलाओं के बारे में बताने जा रहा है जिन्होंने मनोरंजन जगत में नई ऊंचाइयों को छुआ। आज हम आपको हिंदी सिनेमा की पहली महिला कॉमेडियन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने 90 के दशक में अपनी अलग पहचान बनाई और कई पीढ़ियों तक अपने काम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जी हां! हम बात कर रहे हैं टुनटुन की, जिनका असली नाम उमा देवी खत्री था। लोगों को हंसाने वाली इस अदाकारा-गायिका की जिंदगी किसी इमोशनल सफर से कम नहीं थी। उमा उत्तर प्रदेश के अमरोहा के पास एक गांव की रहने वाली थीं। जमीन विवाद के चलते उनके परिवार की हत्या कर दी गई थी, जिससे वह कम उम्र में ही अनाथ हो गई थीं। उनके माता-पिता के चेहरे पहले ही उनकी यादों से मिट चुके थे, क्योंकि उनका पालन-पोषण ऐसे रिश्तेदारों ने किया था जो उनके साथ परिवार के सदस्य से ज्यादा एक नौकरानी की तरह व्यवहार करते थे। लेकिन उनके जीवन का सबसे दुखद पहलू यह है कि 45 गानों को अपनी मधुर आवाज देने और 200 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय करने के बावजूद, उनकी विरासत आज भी कई लोगों के लिए अज्ञात है।

ऐसे पहुंचीं मुंबई

इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच उमा को रेडियो ने सुकून दिया, जो उनका सबसे करीबी दोस्त बन गया। वह अपने रिश्तेदारों के चंगुल से बचकर रेडियो की धुनों में खो जाती थी। वहीं पर वो गाने गाती थीं। यहीं से उन्होंने फिल्मों में प्लेबैक सिंगर बनने का सपना देखा। अपने सपने को हकीकत में बदलने की चाहत उमा को मुंबई (तब बंबई) ले आई। वो भागकर आई थीं। चुलबुले और खुशमिजाज व्यक्तित्व और सरल बोलने के अंदाज के कारण वह मुंबई वासियों को भा गईं। की

ऐसे मिला बड़ा ब्रेक

साल 1945 में अपने दृढ़ संकल्प और गायन के प्रति जुनून के चलते उमा नौशाद अली के दरवाजे पर पहुंचीं और एक साहसिक कदम उठा लिया। उन्होंने सीधे तौर पर उन्हें धमकी दी और कहा कि उन्हें अपनी योग्यता साबित करने का मौका दें, वरना वो समुद्र में डूब कर मर जाएंगी। नौशाद अली ने उन्हें ऑडिशन देने की अनुमति दी, जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। बिना किसी संगीत प्रशिक्षण के भी उमा की आवाज में एक अनोखी मिठास थी जो लोगों को मंत्रमुग्ध कर देती थी। उन्होंने 1947 की फिल्म दर्द में नौशाद द्वारा रचित गीत अफसाना लिख रही हूं दिल-ए-बेकरार गाकर अपनी गायकी की शुरुआत की। दर्द की सफलता और उनकी उल्लेखनीय गायन प्रतिभा ने उमा को कई गानों के ऑफर दिलाए। हालांकि, चंद्रलेखा के निर्देशक एसएस वासन ने उनकी मदद की और इसकी के जरिए वो अपने करियर के शिखर पर पहुंच गईं। चंद्रलेखा में उनके सात गाने, जिनमें लोकप्रिय ट्रैक सांझ की बेला भी शामिल है, लोगों का आज भी चहेता गाना है।

फिर बनीं एक्ट्रेस

इस दौर के बाद उमा ने अपने परिवार और घरेलू जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इंडस्ट्री से ब्रेक लेने का फैसला किया। जब वह 1950 के दशक में वापस लौटीं तो उनकी लाइफ ने यूटर्न ले लिया था। नौशाद अली ने फिर एक बार उनके हुनर को पहचाना। उनके शरारती व्यक्तित्व और बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के चलते उन्हें अभिनय के लिए प्रोत्साहित करने वाले नौशाद ही थे। नौशाद के साथ उमा ने झट से एक समझौता किया कि वह तभी किसी फिल्म में काम करेंगी जब दिलीप कुमार उनके साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। यह फिल्म बाबुल थी, जो 1950 में रिलीज हुई थी।

कैसे हुआ टुनटुन का जन्म

फिल्मों में काम मिलने के साथ ही उन्हें टुनटुन स्क्रीन नेम मिला और यही उनकी पहचान बन गया। इस नाम को किसी और ने नहीं बल्कि लेजेंड्री दिलीप कुमार ने उन्हें दिया था। इस नाम को उन्होंने खुले दिल से अपना लिया और इसी के साथ भारत की पहली महिला कॉमेडियन का दर्जा भी हासिल किया। उमा ने 200 से ज्यादा फिल्मों में कॉमिक रोल किए। अपने पांच दशक लंबे करियर के दौरान, उन्होंने हिंदी, उर्दू, पंजाबी और अन्य भाषाओं की फिल्मों में काम किया। उन्होंने आवारा (1951), मिस्टर एंड मिसेज 55 (1955) और प्यासा (1957) जैसी फिल्मों में अपनी अमिट छाप छोड़ी और खुद को बॉलीवुड कॉमेडी परिदृश्य में एक स्थायी कलाकार के रूप में स्थापित किया। उमा देवी खत्री की आखिरी हिंदी फिल्म कसम धंधे की (1990) थी। इसके बाद उन्होंने अभिनय से संन्यास लेने का फैसला किया।

टुनटुन के अंतिम क्षण

उनकी लोकप्रियता बेजोड़ थी और उनका नाम भारत में प्लस-साइज किरदारों का पर्याय बन गया। ये गौर करने वाली बात है कि उमा को अपने करियर के लिए कभी कोई पुरस्कार नहीं मिला। शशि रंजन के साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन उद्योग को समर्पित कर दिया, लेकिन उद्योग ने अंततः उन्हें छोड़ दिया। अपने जीवन के अंतिम समय में वह एक साधारण घर में रहती थीं, खराब रहने की स्थिति और बीमारी से जूझती रहीं।

वेब सीरीज खाकीः द बंगाल चैप्टर का ऐलान,खून या कानून,किसकी होगी जीत?

नीरज पांडे के निर्देशन में बनी वेब सीरीज खाकीः द बिहार चैप्टर को काफी पसंद किया गया था। इसमें करण टैकर, रवि किशन, अविनाश तिवारी, अभिमन्यु सिंह और आशुतोष राणा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आए थे।यह सीरीज 25 नवंबर, 2022 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अब लगभग 2 साल बाद खाकीः द बिहार चैप्टर के दूसरे सीजन का ऐलान हो गया है, जिसका नाम खाकीः द बंगाल चैप्टर रखा गया है।खाकी द बंगाल चैप्टर का पहला पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें तमाम सितारों की झलक दिख रही है। यह सीरीज जल्द ही नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।ओटीटी प्लेटफॉर्म ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, खून या कानून, किसकी होगी जीत?इस सीरीज में निकिता दत्ता, जतिन सरना, श्रद्धा दास और अनूप सोनी जैसे सितारे नजर आएंगे। नीरज पांडे ही दूसरे सीजन का निर्देशन करने वाले हैं।

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का दो साल से अधिक समय तक डेटिंग के बाद ब्रेकअप

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा 2023 में सुर्खियों में तब आए जब गोवा से उनका एक साथ नए साल का स्वागत करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में दोनों एक दूसरे को किस करते नजर आए। बाद में, बेशक, दोनों सार्वजनिक रूप से सामने आए और इस जोड़े ने एक साथ पोज देने और अपने रिश्ते की पुष्टि करने में संकोच नहीं किया। हालांकि, अब कथित तौर पर उनका ब्रेकअप हो गया है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, तमन्ना और विजय ने कुछ हफ्ते पहले ही ब्रेकअप करने का फैसला किया है। एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, ÷तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा एक जोड़े के रूप में कुछ हफ्ते पहले ही अलग हो गए थे, लेकिन वे अच्छे दोस्त बने रहने की योजना बना रहे हैं। दोनों अपने-अपने शेड्यूल में कड़ी मेहनत कर रहे हैं।÷

महत्वपूर्ण खबर

फिर शुरू होगी महतारी वंदन योजना में नाम जोड़ने की प्रक्रिया

रायपुर,04 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में महतारी वंदन योजना को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की, लेकिन मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने विपक्ष के सवालों का बड़ी आसानी से जवाब दिया। वहीं, सदन की कार्यवाही के बाद उन्होंने मीडिया से बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना में आवेदन की प्रक्रिया दोबारा शुरू की जाएगी।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने असिस्टेंट डायरेक्टर के पदों पर निकाली भर्ती

रायपुर,04 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की ओर से जारी सूचना के अनुसार इस पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा का आयोजन 6 जुलाई 2025 को किया जाएगा। परीक्षा से कुछ दिन पहले प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे। यह हॉल टिकट आधिकारिक वेबसाइट पर रिलीज किए जाएंगे। परीक्षार्थी जरूरी डिटेल्स एंटर करके प्रवेश पत्र को डाउनलोड कर सकेंगे। साथ ही इसका प्रिंटआउट लेकर परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने असिस्टेंट डायरेक्टर इंडस्ट्री/मैनेजर के पदों पर भर्ती निकाली है। कुल 30 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इन पदों के लिए एप्लीकेशन प्रोसेस 10 मार्च, 2025 से शुरू होगा।

जीएसटी अफसरों ने रेस्टोरेंट में मारी रेड

बिलिंग में गड़बड़ी का अंदेशा

कवर्धा,04 मार्च 2025(ए)। जीएसटी की टीम ने कवर्धा के बस स्टैंड स्थित न्यू कल्पना रेस्टोरेंट में छापामार कार्रवाई की है। बिलिंग को लेकर शिकायत मिलने पर कवर्धा लोकल जीएसटी की टीम ने छापा मारा है। 6 अफसरों की टीम न्यू कल्पना रेस्टोरेंट में दबिश देकर कागजात खंगाल रही है। जगदलपुर और रायपुर में जीएसट ने 3 कारोबारियों के ऑफिस और फैक्ट्री समेत 10 ठिकाने पर छापेमारी की है। इनमें बस्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्याम सोमानी, रामा स्टील और रामा उद्योग ग्रुप पर छापा पड़ा है।

पेट्रोल से दुकान को फूंका, सरपंच के भतीजे को नुकसान

दुर्ग,04 मार्च 2025(ए)। जिले के पुलगांव थाना अंतर्गत जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र में सरपंच पद का शपथ ग्रहण करने बाद अज्ञात लोगों ने सरपंच के भतीजे की दुकान को आग लगा दिया। इससे काफी बड़ा नुकसान हुआ है। जेवरा पुलिस मामले की जांच कर रही है। जेवरा सिरसा चौकी प्रभारी पुरुषोत्तम कुर्रे ने बताया कि जेवरा निवासी देवशरण नागवंशी ने उसकी दुकान को आग लगाने की शिकायत दर्ज कराई है। उसकी शिकायत के बाद पुलिस पाला पारा पहुंची जहां दुकान स्थित है। पुलिस ने पाया कि दुकान पूरी तरह से जल गई है। अंदर सारा सामान भी जल गया है।

जहरीली शराब कांड के बाद बुलडोजर एक्शन

कोचिया का घर पूरी तरह ढहाया गया...

बिलासपुर,04 मार्च 2025(ए)। जहरीली शराब से हुई 9 लोगों की मौत के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है।

अवैध शराब बनाने और बेचने वाले कोचिया के घर को बुलडोजर चलाकर पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। यह घर सरकारी जमीन पर बना था और इसे शराब बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

राशन कार्ड और धान खरीदी में गड़बड़ी पर सदन में हंगामा

रायपुर,04 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन राशन कार्ड परिवर्तन और धान खरीदी में अनियमितताओं को लेकर सदन में तीखी बहस हुई। भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में एपीएल से बीपीएल में बदले गए राशन कार्डों का मुद्दा उठाया, जबकि कांग्रेस विधायक इंद्र साव ने धान खरीदी में अमानक बारदानों के इस्तेमाल को लेकर सवाल किए। इस पर खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया।

राशन कार्ड घोटाले पर आरोप और जवाब

विधानसभा में भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने आरोप लगाया कि 57 बीपीएल कार्ड ऐसे लोगों को जारी कर दिए गए हैं, जो सक्षम हैं और जिन्होंने कभी आवेदन भी नहीं किया। उन्होंने अधिकारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए फर्जी कार्ड बनाने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने इस पर जवाब देते हुए कहा कि 2022 से 2025 तक किसी भी एपीएल कार्ड को बीपीएल में नहीं बदला गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत किया जाता है, तो सरकार जांच कराएगी। साथ ही, उन्होंने बेलतरा विधानसभा के संदेहास्पद राशन कार्डों की जांच कराने की घोषणा की।

विधानसभा में महतारी वंदन योजना को लेकर सदन का माहौल हुआ गर्म

विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान विधायक उमेश पटेल ने प्रदेश में महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पंजिकृत हितग्राही का मामला सदन में उठाया. उन्होंने पूछा कि क्या वर्तमान में हितग्राहियों की संख्या में कमी आई है? इस योजना में फर्जी नाम से लाभ लेने का मामला भी आया है? ये कहां-कहां संज्ञान में आया है? क्या इसके लिए सत्यापन का कोई नियम है? मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने इस पर जवाब देते हुए बताया कि प्रथम पंजीयन 20/2/2024 तक कुल 70,27,154 हितग्राही द्वारा किया गया था. पंजीकृत आवेदकों में 69,63,621 हितग्राही पात्र हैं। उन्होंने बताया कि हितग्राहियों में कमी आई है, लेकिन हितग्राही की मृत्यु होने लाभ त्याग करने और दो आवेदन के प्रकरण या अपात्र होने के कारण आई है।

धान खरीदी में अनियमितताओं का मुद्दा गरमाया

प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक इंद्र साव ने धान खरीदी केंद्रों में अमानक बारदानों (बोरी) के इस्तेमाल को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने मांग की कि इस गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं धान खरीदी केंद्रों की जांच की है और सरकार सदन को गुमराह कर रही है। उन्होंने मांग की कि विधायकों की समिति से इस मामले की जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने सदन में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया। विपक्ष ने इस बयान को अपर्याप्त बताते हुए सरकार पर दबाव बनाए रखा, जिससे सदन में हंगामे की स्थिति बनी रही।

रामा ग्रूप और रामा स्टील के 10 से ज्यादा ठिकानों पर आयकर का छापा...

रायपुर,04 मार्च 2025(ए)। आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रामा ग्रूप और रामा स्टील पर छापा मारकर जांच शुरू की है। छापे में रायपुर स्थित विधानसभा रोड पर दो परिसरों के अलावा जगदलपुर और मध्यप्रदेश के सतना के कई ठिकानों को भी शामिल किया गया है। सूत्रों के अनुसार, अब तक 10 से अधिक परिसरों को जांच के दायरे में लिया गया है। इस छापेमारी में मध्यप्रदेश के आयकर अधिकारी बड़ी टीम के साथ शामिल हैं, वहीं छत्तीसगढ़ के अधिकारी भी कार्रवाई में शामिल हैं। वहीं, रामा ग्रूप स्टील के साथ-साथ रियल एस्टेट समेत कई अन्य कारोबारों में सक्रिय है। इस छापे की खबर रायपुर में कारोबारियों के बीच में चर्चा का विषय बना हुआ है।

हाईकोर्ट ने कहा,प्रदेश के सभी बड़े शहरों में ट्रैफिक की स्थिति खराब

बिलासपुर ,04 मार्च 2025 (ए)। हाईकोर्ट ने बिलासपुर शहर के प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण हटाने को लेकर डीएसपी ट्रैफिक से शपथपत्र पर जवाब मांगा। ट्रैफिक सिग्नल तोड़ते हुए पलटी एंबुलेंस के मामले में हाईकोर्ट ने आगे की सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। अदालत ने पूछा है कि शहर में ट्रैफिक सुधार कब तक होगा। अगली सुनवाई अब अप्रैल माह में होगी।

आप के नगरपालिका अध्यक्ष व पार्षदों ने शपथ लेने से किया इंकार

बिलासपुर,04 मार्च 2025(ए)। बोदरी नगर पालिका परिषद में नव निर्वाचित अध्यक्ष नीलम विजय वर्मा और पार्षदों ने शपथ ग्रहण करने से इंकार कर दिया है। दरअसल यहां वार्ड क्रमांक 12 में स्थित सिंधी समाज के भवन की बाउंड्री वॉल को तोड़े जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है और इस कार्रवाई से नाराज आम आदमी पार्टी से निर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष नीलम विजय वर्मा और पार्षदों ने इसे समाज विशेष के खिलाफ की गई कार्रवाई करार दिया है और विरोध में सभी पार्षदों ने शपथ ग्रहण से इनकार कर दिया है।

सिंधी समाज में नाराजगी

बाउंड्री वॉल तोड़ने की इस घटना से सिंधी समाज में भी रोष है। इसे लेकर सोमवार शाम व्यापारियों और समाज के लोगों की बैठक हुई, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मामले में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके अलावा, नगर पालिका द्वारा की गई इस कार्रवाई के खिलाफ व्यापारियों ने चकरभाठा बंद रखने और रैली निकालकर जिला प्रशासन तक विरोध दर्ज कराने का फैसला किया है।

हारे हुए बीजेपी प्रत्याशी के प्रभाव में हुई कार्रवाई..?

नगर पालिका अध्यक्ष नीलम वर्मा और उनके पति पार्षद विजय वर्मा ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भाजपा सरकार होने के बावजूद बोदरी नगर पालिका में भाजपा का प्रत्याशी हार गया। इसी कारण वार्ड 12 में साहू समाज के पराजित प्रत्याशी के प्रभाव में आकर नगर पालिका परिषद ने द्वेषपूर्ण कार्रवाई की। उन्होंने सीएमओ भारती साहू पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने की मांग की है।

दोषियों पर कार्यवाही होने तक शपथ नहीं

जानकारी के मुताबिक,सुबह जब नगर पालिका की टीम बाउंड्री वॉल तोड़ रही थी, उस समय स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया, लेकिन अधिकारियों ने उनकी एक नहीं सुनी। उस समय नगर पालिका अध्यक्ष नीलम वर्मा और सभी पार्षद रायपुर में छत्तीसगढ़ सिंधी समाज के सम्मान समारोह में शामिल थे। जैसे ही उन्हें घटना की जानकारी मिली, वे तुरंत वापस लौटे।

आम आदमी पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता प्रियंका शुक्ला ने कहा है कि जब तक दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक कोई भी पार्षद शपथ ग्रहण नहीं करेगा।

सेक्स सीडी कांड के मामले में पूर्व सीएम बघेल समेत सभी आरोपी रायपुर कोर्ट में हुए पेश

वकील बोले-उन्हें झूठे केस में फंसाया गया

रायपुर,04 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित सेक्स सीडी कांड मामले में मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पत्रकार विनोद वर्मा और व्यवसायी कैलाश मुरारका रायपुर कोर्ट में पेश हुए। इससे पहले हुई सुनवाई में सीबीआई ने अपना पक्ष रखा था, जबकि इस बार आरोपियों के वकीलों ने बचाव में बहस की। यह दूसरी बार है जब सभी आरोपी कोर्ट में हाजिर हुए। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की ओर से जबलपुर हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष दत्त ने कोर्ट में दलीलें पेश कीं। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल को झूठे मामले में फंसाया गया है। भूपेश ने न तो सीडी बनवाई और न ही सीडी बांटी। उन्होंने किसी तरह का कोई ऑफेंस (अपराध) नहीं किया है।

अजीब घटना...महिला पंचों के पतियों को दिलाई शपथ

कवर्धा,04 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में पंचायत और निकाय चुनाव संपन्न हो चुके हैं और अब नव निर्वाचित जन प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण का दौर जारी है। वहीं, पंच–सरपंच के शपथ ग्रहण के दौरान पंचायत सचिव की लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां सचिव निर्वाचित पंचों के बजाए उनके पतियों को शपथ दिलाई है। फिलहाल मामले में सियासी पारा गरमाते हुए दिखाई दे रहा है। मिली जानकारी के अनुसार मामला पंडरिया ब्लॉक के परसवारा ग्राम पंचायत का है, जहां पंचायत सचिव ने 7 महिला पंचों के बजाए उनके पतियों को शपथ दिलाई है। शपथ ग्रहण समारोह का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं, पतियों को शपथ दिलाए जाने के चलते निर्वाचित होने के बाद भी महिला पंच शपथ नहीं ले पाए हैं।

पीलिया के 9 मरीज मिले

भिलाई नगर निगम ने जारी किया अलर्ट

दुर्ग,04 मार्च 2025 (ए)। जिले में भिलाई नगर निगम के गौतम नगर क्षेत्र में पीलिया फैला हुआ है। यहां अब तक पीलिया के 9 मरीज मिल चुके हैं, वहीं 22 लोगों में इसके लक्षण दिख रहे हैं। सभी की जांच की गई है। तेजी से हो रहे पीलिया के संक्रमण को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और निगम की टीम वार्ड में सर्वे और घर घर जांच करने का काम कर रही है। स्वास्थ्य विभाग के सर्वेक्षण में पाया गया कि दूषित पेयजल की वजह से यह बीमारी वार्ड में फैल रही है। संक्रमण की स्थिति यह है कि एक-एक घर से तीन-तीन लोगों को पीलिया होने की पुष्टि हुई है। इसमें से एक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नक्सलियों ने की ग्रामीण की हत्या

इलाके में दहशत का माहौल

सुकमा,04 मार्च 2025(ए)। जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। नक्सलियों ने बीती रात ग्राम पेंटापाड़ में एक बुजुर्ग ग्रामीण की निर्मम हत्या कर दी। मृतक की पहचान 65 वर्षीय कलमू हिड़मा के रूप में हुई है, जो पूर्व विधायक मनीष कुंजाम के छोटे ससुर थे। इस वारदात के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल व्याप्त है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह घटना शनिवार देर रात की है। नक्सलियों ने अचानक हमला कर हिड़मा की हत्या कर दी। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि माओवादियों ने इस क्रूर कृत्य को क्यों अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी।

जेल से पैरोल पर छुटे दो कैदी हुए फरार

पकड़वाने वाले को मिलेगा 10-10 हजार रुपए का इनाम

दुर्ग,04 मार्च 2025(ए)। केंद्रीय जेल से पैरोल पर रिहा हुए दो सजायाफ्ता कैदियों के फरार होने के मामले में दुर्ग पुलिस ने गंभीर कदम उठाए हैं। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने दोनों फरार कैदियों का सुराग देने वाले को 10-10 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर ने बताया कि जब कोई कैदी पैरोल पर जेल से बाहर जाता है और निर्धारित समय पर वापस नहीं आता है, तो उसके खिलाफ संबंधित थाना में मामला दर्ज किया जाता है।

इसी प्रक्रिया के तहत पद्मनभापुर पुलिस ने दोनों कैदियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पूर्व सांसद के नाती को उतारा मौत के घाट

आरोपी फरार,पुलिस जांच में जुटी..

बलौदाबाजार,04 मार्च 2025(ए)। जिले में एक बार फिर चाकूबाजी की वारदात ने जानलेवा रूप ले लिया है। इस बार पूर्व कांग्रेस सांसद स्व. भूपेंद्र नाथ मिश्र के नाती की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए तलाश अभियान शुरू कर दिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)